Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 205 | सोमवार, 03 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम मोदी ने शुरू किया 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान', 1 करोड़ युवाओं ने ली शपथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉल के जरिए 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरूआत की। इस अभियान का मकसद देश के युवाओं को नशे के खिलाफ एक साथ लाना है, ताकि भारत को नशा मुक्त बनाया जा सके और देश तरक्की कर सके। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के विकास के लिए युवाओं का नशे से दूर रहना और सेहतमंद रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, 'आप सभी इस बड़े अभियान के लीडर हैं और आपने मेरे भरोसे को और मजबूत किया है।'

पीएम मोदी ने युवाओं से आगे आकर इस अभियान से जुड़ने और अपने इलाकों में लोगों को जागरूक करने की अपील की।

हर रविवार होंगे जागरूकता के काम

सरकार की योजना के मुताबिक, इस अभियान के तहत हर रविवार पूरे देश में अलग-अलग कार्यक्रम किए जाएंगे। इनमें खेल, पैदल यात्रा, योग, नाटक, रैली और चित्र बनाने जैसी प्रतियोगिताएं शामिल होंगी।

अच्छा काम करने वालों को मिलेगा सम्मान

इस अभियान में बेहतरीन काम करने वाले युवाओं और संस्थाओं को 50वें, 75वें और 100वें हफ्ते में सम्मानित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि नशा मुक्त युवा ही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। इस अभियान का मकसद युवाओं को सेहतमंद और जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

10 हजार जगह कार्यक्रम, 1 करोड़ युवाओं ने ली कसम

यह अभियान आम लोगों और युवाओं के जुड़ने से शुरू हुआ है। इसकी शुरूआत में देश भर में करीब 10,000 जगहों पर एक साथ कार्यक्रम हुए, जहां 1 करोड़ (10 मिलियन) से ज्यादा युवाओं ने नशा न करने की कसम खाई।

राहुल गांधी ने फ्रेंडशिप डे पर खुद को बताया छात्र, युवाओं के लिए साझा किया खास संदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। फ्रेंडशिप डे के मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के युवाओं के लिए एक खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने सभी को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं दीं और लिखा कि वह आज भी खुद को एक छात्र ही मानते हैं और हर दिन कुछ न कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं। राहुल गांधी ने दोस्ती को जिंदगी का सबसे अनमोल रिश्ता बताते हुए कहा कि प्यार, भरोसा और एक-दूसरे से सीखते रहना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

राहुल गांधी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अभी भी एक विद्यार्थी हूं, हर दिन कुछ नया सीख रहा हूं। आज का

सबक आज मित्रता दिवस है। सभी को फ्रेंडशिप डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ढेर सारा प्यार।' आपको बता दें कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर राहुल गांधी और पूरा विपक्ष लगातार सरकार पर सवाल उठा रहा है। इससे पहले भी राहुल गांधी ने कई छात्रों और युवाओं से मुलाकात करके उनकी समस्याएं सुनी थीं। कांग्रेस नेता ने देश भर में कई युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट बंद कराए जाने के लिए भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

सरकार युवाओं को डरा नहीं सकती

इससे पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया था कि ये दोनों देश के युवाओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ये नेता भारत का बीता हुआ कल हैं और उन्हें सोचना चाहिए कि वे देश के आने वाले भविष्य के साथ कैसा बर्ताव कर रहे हैं।

पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जोरदार हंगामा और धक्का-मुक्की, सांसद ने लगाए हत्या की साजिश के आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे इसी दौरान बवाल और उनके साथ धक्का-मुक्की की खबर सामने आ रही है। यह मामला तब बढ़ा जब सांसद पप्पू यादव दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भगवा पहनने के विवाद पर अपनी बात रख रहे थे, उसी दौरान एक शख्स ने पूछा कि आप भगवा पहनकर भगवान राम की तस्वीर अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद के सामने रख रहे हैं ये कैसा सम्मान है। इसी दौरान पप्पू यादव के साथ समर्थकों ने उसे शख्स को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

मुझ पर चाकू से हमला करने आया था: पप्पू यादव

इस घटना को लेकर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद ने कहा, 'क्या कोई मुझ पर हमला करने के लिए मेरे घर में घुस सकता है? वह मुझ पर चाकू से हमला करने आया था।' वहीं उनके साथ मौजूद एक व्यक्ति ने कहा, 'वह व्यक्ति हमला कर रहा था और फिर भी दिल्ली पुलिस उसे बचा रही थी।'

जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता पक्ष व विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों (विधानसभा/विधान परिषद सदस्यों) से कहा कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें। साथ ही स्वस्थ चर्चा कर विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें। उन्होंने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की अपील भी की। मुख्यमंत्री रविवार को विधान भवन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 3 अगस्त (सोमवार) से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र के संचालन के संबंध में आयोजित की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद अत्यंत महत्वपूर्ण है और सदन जनप्रतिनिधियों को संवाद करने का मंच प्रदान करता है। इससे निकले परिणाम जनोपयोगी होते हैं। 9 वर्ष में विधानसभा ने पूरे देश में संसदीय कार्यप्रणाली में उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है। सदन स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा के लिए जाना जा रहा है। यह काम सभी दलों के नेताओं की वजह से संभव हुआ है। बैठक में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानसून सत्र में आमजन से जुड़े मुद्दों पर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। जनप्रतिनिधि को जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों को सदन में गंभीरता से उठाना चाहिए। सीएम ने सभी सदस्यों से अपील की कि सदन के सुचारु संचालन में सभी सदस्यों का सहयोग मिलना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की बाधा न आए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन के सुचारु संचालन के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त/संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया', निषाद पार्टी विधानमंडल दल के नेता रमेश सिंह, अपना दल (एस) के आरके पटेल, राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल बालियान आदि मौजूद रहे।

सावन के पहले सोमवार पर दूधेश्वरनाथ मंदिर में होगी शिव भक्ति और आस्था की अमृत वर्षा

आठों प्रहर के पूजन, रुद्राभिषेक और भगवान के दिव्य श्रृंगार की विशेष व्यवस्था

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सिद्धपीठ कांवड़दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर में सावन के पहले सोमवार के अवसर पर भक्ति, आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष तथा हिंदू यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सान्निध्य और अध्यक्षता में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि सावन के पहले सोमवार का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की सच्चे मन से आराधना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस बार सावन के पहले सोमवार पर प्रीति योग, आयुष्मान योग, सुकर्मा योग और शिव योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है।

उन्होंने बताया कि प्रीति योग प्रेम और सद्भाव का प्रतीक माना जाता है, जबकि आयुष्मान योग दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्रदान करता है। सुकर्मा योग शुभ कार्यों के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है और शिव योग में की गई साधना का विशेष महत्व बताया गया है।

मंदिर के मीडिया प्रभारी एस.आर. सुथार ने बताया कि भगवान दूधेश्वर के जलाभिषेक का क्रम रविवार की रात्रि 12 बजे से शुरू होकर सोमवार की रात्रि 12 बजे तक लगातार जारी रहेगा। इस दौरान मंदिर के कपाट चौबीसों घंटे श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज भगवान शिव का पूजन और जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के द्वार खोल दिए जाएंगे। रात्रि दो बजे भगवान दूधेश्वर का भव्य श्रृंगार किया जाएगा।

आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ पर मायावती की बड़ी कार्रवाई, बसपा से बाहर का रास्ता दिखाया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने एक बड़ा फैसला लिया है। पार्टी में अनुशासन तोड़ने के आरोप में उन्होंने पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अशोक सिद्धार्थ मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद के ससुर हैं।

दूसरे राज्यों में भी सही से नहीं किया काम

मायावती ने आगे लिखा कि इसके बावजूद अशोक सिद्धार्थ ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई। कर्नाटक, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से लगातार उनके खिलाफ शिकायतें आती रहीं। बार-बार चेतावनी देने के बाद भी जब उन्होंने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया, तो उन्हें सभी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया था।

अफवाह फैलाने पर मायावती सख्त, हमेशा के लिए रास्ता बंद

मायावती ने कहा कि इसके बाद भी यूपी की राजनीति में उनकी वापसी को लेकर जानबूझकर गलतफहमी फैलाई जा रही थी। यह सब आने वाले यूपी चुनाव के लिए चलाए जा रहे अभियान को नुकसान पहुंचाने की साजिश थी। इसलिए पार्टी के हित में अशोक सिद्धार्थ को तुरंत प्रभाव से बाहर कर दिया गया है। मायावती ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें आगे कभी भी पार्टी में वापस नहीं लिया जाएगा।

पहले भी मिली थी माफी, फिर दोहराई वही गलती

मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले महाराष्ट्र चुनाव के दौरान पार्टी टिकट के बंटवारे में मनमानी और नियम तोड़ने की वजह से अशोक सिद्धार्थ को निकाला गया था। हालांकि, बाद में इस शर्त पर उन्हें वापस लिया गया था कि वे ऐसी गलती दोबारा नहीं दोहराएंगे। उन्हें यूपी से दूर रखकर सिर्फ दूसरे राज्यों में पार्टी का काम संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी।

सीबीआई परीक्षा गड़बड़ी के करीब 158 मामले अदालतों में सुनवाई का कर रहे इंतजार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दो अगस्त भर्ती परीक्षा में कथित गड़बड़ियों से जुड़े लगभग 158 मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच पूरी होने के बावजूद देश की विभिन्न अदालतों में अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हो पाई है, इनमें से कुछ मामले तो दो दशक से भी पहले दर्ज किए गए थे। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने इन लंबित मामलों को त्वरित अदालतों में स्थानांतरित करने के लिए सभी उच्च न्यायालय से संपर्क करने का फैसला किया है।

ये त्वरित अदालतें नए पेपर लीक रोधी कानून के तहत अलग-अलग राज्यों में ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए गठित की जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने उच्च न्यायालय को यह बताने का फैसला किया है कि वह इन मुकदमों की सुनवाई के लिए विशेष सरकारी वकील उपलब्ध कराएगी और सभी जरूरी संसाधन मुहैया कराएगी, ताकि इन मामलों की सुनवाई जल्द से जल्द पूरी हो सके। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में साल 2000 के बाद से ऐसे करीब 25 मामले हैं जिनमें सीबीआई की जांच पूरी होने के बावजूद अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है।

'चार दिन की बची है भाजपा सरकार, इसलिए 4 दिन का बुलाया विशेष सत्र', अखिलेश ने योगी सरकार पर कसा तंज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार (3 अगस्त 2026) से शुरू होने जा रहा है। चार दिन के इस विशेष सत्र को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने कहा है कि यह सरकार बस चार दिन की ही बची है इसलिए विधानसभा का सत्र भी चार दिन का ही हो रहा है। सपा प्रमुख ने चार दिन के विशेष सत्र का पूरा कार्यक्रम भी पर शेयर किया है।

चार दिन विधानसभा में क्या-क्या होगा?

अखिलेश यादव की सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, यूपी विधानसभा के चार दिन के सत्र का पहला दिन श्रद्धांजलि में निकाल दिया जाएगा, दूसरे दिन अयोध्या के प्रभु राम जी के मंदिर में हुई सुनियोजित चोरी के महापाप की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर डाल दी जाएगी जबकि तीसरे दिन प्रयागराज जैसे पूरे प्रदेश में हुए छात्र आंदोलन से बचने में निकाल देगी और चौथे दिन दुखी मां के सरेआम अपमान पर मुंह छिपाकर जल्दी से सत्र खत्म करने की घोषणा करने में निकाल देगी।

'बीजेपी अब सत्ता में नहीं आएगी'

अखिलेश यादव ने आगे कहा है कि

भाजपा को यह मालूम हो चुका है कि वह कभी सरकार में वापस नहीं आएगी, विधानसभा को महत्व नहीं दे रहे हैं बस सत्र आयोजित करने की औपचारिकता निभा रहे हैं। भाजपा की चला-चली की बेला का मानसून सत्र भी चला-चली टाइप का सत्र है। अब भाजपा जाएगी, फिर कभी न आएगी!

मानसून सत्र में क्या-क्या हो सकता है?

बता दें कि यूपी विधानसभा का मानसून सत्र 3 अगस्त से लेकर 6 अगस्त तक आयोजित होगा। इससे पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई जो विधान भवन में होगी। इस बैठक से पहले ही अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधा। मानसून सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अनुपूरक बजट, विधेयक और अन्य जरूरी मामलों पर चर्चा होने की संभावना है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर हंगामा संभव

विधानसभा के इस सत्र में जहां विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है तो वहीं योगी सरकार अपने 10 साल के कामकाज को बताएगी। यूपी विधानसभा सत्र में राम मंदिर चढ़ावा चोरी जैसे जरूरी मुद्दों को लेकर हंगामा होने की संभावना है। 4 अगस्त को अनुपूरक बजट पेश होने की संभावना है। 5 अगस्त को विधायी कार्य और अन्य जरूरी सरकारी कामकाज किए जा सकते हैं और 6 अगस्त को अनुपूरक बजट पर चर्चा और कामकाज खत्म होगा।

संपादक की कलम से

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित शर्मा
संपादक

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है। पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वत: समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि

देश में उपजा कुविचार

उदय कशोर साह

कविता

मर गई सारी संवेदना ..जिन गद्दारों की
मर गई सारे नीति व .सुनिति की विचार
आरक्षी पर करता है वार प्रहार . जो
तोड़ दिया इस देश की गरिमा की संसार

जिस काँधे पे टिकी है जन मानस की सुरक्षा
जिस वर्दी पे हमें है गर्व व हमारा। विश्वास
उन चेहरे को कर दी लहूलुहान जो दुश्मन
उस पर कौन करेगा भारत में कोई आस

उद्दंड अपराधी का जो करता है यहाँ सर्मथन
वो भी है देश भारत का सबसे बड़ा गद्दार
गुण्डे मवाली का जो करता है अनुमोदन
वो भी है देशद्रोही के उत्तम सा पात्र

देश की कानून को जो देता है बार बार चुनौती
जो समझे न्यायालय को आज अंह से बेकार
राजद्रोह की मुकदमा चले उस बेईमानों पर
जिनका हो इस देश में आम जन पे कुविचार

ऐसे लोगों की बन्द हो राजनीति की दुकान
जो आरजकता का।। करता देश में व्यापार
ऐसे लोगों को भेज दो कालापानी की सजा
बहुत हो गया इन सब का बेशर्मों की कारोबार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

आर्थिक सहायता तक सीमित हो आरक्षण, अन्य सभी आरक्षण राष्ट्र की प्रगति में अभिशाप!

एनके शर्मा
लेखक

भारत में आरक्षण का प्रश्न केवल संवैधानिक व्यवस्था का विषय नहीं है; यह सामाजिक न्याय, समान अवसर, आर्थिक उन्नति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और राष्ट्रीय एकता से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विमर्श है। यही कारण है कि इस विषय पर कोई भी मत अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। एक ओर ऐसे लोग हैं जो मानते हैं कि सामाजिक और ऐतिहासिक वंचना की भरपाई के लिए जाति-आधारित आरक्षण अभी भी आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग यह तर्क देता है कि आज के भारत में आरक्षण का आधार केवल आर्थिक स्थिति होना चाहिए। इसी दृष्टिकोण को केंद्र में रखकर यह विचार प्रस्तुत किया जा रहा है।

यदि किसी राष्ट्र की नीतियाँ योग्यता, प्रतिस्पर्धा और समान अवसरों की बजाय स्थायी पहचान-आधारित वर्गीकरण पर टिक जाएँ, तो वह राष्ट्र धीरे-धीरे अपनी प्रतिभा की पूरी क्षमता का उपयोग करने में कठिनाई महसूस कर सकता है। समर्थकों का तर्क है कि आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या समुदाय से हो, सहायता का वास्तविक पात्र है। उनका कहना है कि गरीबी जाति देखकर नहीं आती; भूख का कोई धर्म नहीं होता; अभाव किसी वंश का परिचय नहीं पूछता। ऐसे में यदि किसी निर्धन विद्यार्थी को केवल उसकी जाति के कारण सहायता न मिले, जबकि एक आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति केवल आरक्षण श्रेणी के आधार पर लाभ प्राप्त कर ले, तो यह व्यवस्था न्याय के बजाय असंतोष को जन्म दे सकती है। यह भी कहा जाता है कि स्वतंत्रता के दशकों बाद भारत में अनेक सामाजिक परिवर्तन हुए हैं। शिक्षा का विस्तार, शहरीकरण, संवैधानिक अधिकार, न्यायपालिका की सक्रियता तथा अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने समाज की संरचना में बदलाव लाया है। इस दृष्टिकोण के अनुसार, यदि नीतियों की समय-समय पर समीक्षा न हो, तो वे अपने मूल उद्देश्य से भटक सकती हैं। किसी भी लोकतंत्र में नीति का मूल्यांकन उसके परिणामों के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के आधार पर। दूसरी ओर, आरक्षण के वर्तमान स्वरूप के समर्थक यह कहते हैं कि भारत में सामाजिक भेदभाव और संरचनात्मक असमानताएँ पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। उनका तर्क है कि केवल आर्थिक स्थिति सामाजिक बहिष्कार, ऐतिहासिक वंचना और अवसरों की पीढ़ीगत कमी की भरपाई नहीं कर सकती। इसलिए उनके अनुसार सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन को

भी नीति निर्माण में महत्व दिया जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण भी भारतीय संविधान और न्यायालयों में समय-समय पर हुए विमर्श का हिस्सा रहा है। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच मूल प्रश्न यह है कि राष्ट्रहित में सर्वोत्तम संतुलन क्या हो सकता है। यदि किसी नीति का उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर वर्गों को आगे लाना है, तो यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि सहायता वास्तविक रूप से सबसे अधिक जरूरतमंद तक पहुँचे। इस संदर्भ में आर्थिक मानकों को अधिक प्रभावी बनाने, लाभार्थियों की समय-समय पर समीक्षा करने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों में व्यापक निवेश जैसे उपाय अक्सर सुझाए जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि यदि राजनीतिक दल आरक्षण के प्रश्न को चुनावी लाभ के लिए लगातार विस्तार देते रहें, तो समाज में नए-नए वर्गीय विभाजन उत्पन्न हो सकते हैं। जब प्रत्येक चुनाव में किसी नए समुदाय को आरक्षण का आश्वासन दिया जाता है, तब यह आशंका व्यक्त की जाती है कि नीति का उद्देश्य सामाजिक न्याय से हटकर राजनीतिक समर्थन अर्जित करना बन सकता है। लोकतंत्र में मत प्राप्त करना स्वाभाविक राजनीतिक लक्ष्य है, किंतु दीर्घकालीन नीति-निर्माण केवल चुनावी गणित पर आधारित नहीं होना चाहिए। एक राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, उद्योगों, न्याय व्यवस्था और प्रशासन की गुणवत्ता से निर्धारित होती है। यदि शिक्षा की गुणवत्ता समान रूप से उत्कृष्ट हो, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच अवसरों का अंतर कम किया जाए, विद्यालयों में संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को विशेष सहायता मिले, और स्वास्थ्य व पोषण की मजबूत व्यवस्था हो, तो सामाजिक असमानताओं को कम करने का प्रभाव अधिक व्यापक हो सकता है। अनेक विशेषज्ञ इस बात पर बल देते हैं कि समान अवसरों की नींव बचपन से रखी जाए, ताकि बाद की प्रतिस्पर्धा अधिक न्यायसंगत बने। आर्थिक सहायता-आधारित मॉडल के समर्थकों का मानना है कि राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी निर्धनता को कम करना है। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा केवल इसलिए पीछे रह जाए कि वह किसी आरक्षण श्रेणी में नहीं आता, तो यह व्यवस्था उसके साथ न्याय नहीं करती। उनके अनुसार छात्रवृत्तियाँ, निःशुल्क कोचिंग, शिक्षा ऋण, कौशल विकास, स्वास्थ्य सुरक्षा और उद्यमिता सहायता जैसी योजनाएँ आर्थिक आधार पर अधिक व्यापक रूप से लागू की जा सकती हैं। हालाँकि, इस बहस का दूसरा पक्ष यह याद दिलाता है कि आर्थिक सहायता और सामाजिक न्याय एक-दूसरे के विकल्प नहीं, बल्कि कई बार पूरक भी हो सकते हैं। इसलिए किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले विस्तृत आँकड़ों, सामाजिक अनुसंधान, संवैधानिक प्रावधानों और विभिन्न समुदायों पर संभावित प्रभावों का गंभीर अध्ययन आवश्यक है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय सामाजिक तनाव भी उत्पन्न कर सकते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि आरक्षण का प्रश्न समाज को बाँटने का माध्यम न बने। इसे न तो नफरत का हथियार बनाया जाए और न ही राजनीतिक लाभ का स्थायी साधन। राष्ट्रीय नीति का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना होना चाहिए जिसमें कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल आर्थिक अभाव के कारण पीछे न रह जाए और साथ ही उन समुदायों की वास्तविक चुनौतियों का भी न्यायपूर्ण समाधान खोजा जाए जो अब भी संरचनात्मक बाधाओं का सामना करते हैं। आज आवश्यकता है कि संसद, नीति आयोग, शिक्षाविद्, समाजशास्त्री, न्यायविद्, उद्योग जगत, युवा और नागरिक समाज मिलकर तथ्य-आधारित राष्ट्रीय विमर्श करें। भावनाओं और नारों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि निर्णय प्रमाण, आँकड़ों और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के आधार पर हों। राष्ट्र की प्रगति केवल आरक्षण से नहीं, बल्कि उत्कृष्ट शिक्षा, पारदर्शी शासन, समान अवसर, रोजगार सृजन, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक सद्भाव और ईमानदार नेतृत्व से सुनिश्चित होगी। यदि किसी भी नीति की समय-समय पर निष्पक्ष समीक्षा नहीं होगी, तो वह अपने मूल उद्देश्य से दूर जा सकती है। इसलिए बहस का केंद्र किसी वर्ग की जीत या हार नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक उन्नति होना चाहिए।

अंततः प्रश्न केवल इतना नहीं है कि आरक्षण किस आधार पर दिया जाए; प्रश्न यह है कि भारत ऐसा राष्ट्र कैसे बने जहाँ किसी नागरिक की सफलता उसके जन्म से नहीं, उसकी क्षमता, परिश्रम और उपलब्ध अवसरों से तय हो। इसी दिशा में नीति, राजनीति और समाज–तीनों को आत्ममंथन करना होगा। तभी सामाजिक न्याय, समान अवसर और राष्ट्रीय प्रगति के बीच स्थायी संतुलन स्थापित किया जा सकेगा।

उम्र के अनुसार खाइए: जीवन के हर पड़ाव के लिए सही पोषण

डॉ विजय गर्ग
लेखक

अक्सर कहा जाता है, 'जैसा अन्न, वैसा मन और वैसा तन।' यह कहावत आज के समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, शरीर की आवश्यकताएँ भी बदलती जाती हैं। बचपन, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था–हर चरण में शरीर को अलग-अलग प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इसलिए एक ही प्रकार का भोजन पूरी जिंदगी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता। 'एं३ ङ्ग४१ औं' का अर्थ है अपनी उम्र और शरीर की जरूरतों के अनुसार भोजन का चुनाव करना।

बचपन जीवन की वह अवस्था है जब शरीर और मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। इस समय बच्चों को प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, विटामिन और स्वस्थ वसा से भरपूर भोजन की आवश्यकता होती है। दूध, दही, अंडे, दालें, हरी सब्जियाँ, फल और साबुत अनाज उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि बचपन में संतुलित आहार मिले तो भविष्य में अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। किशोरावस्था में शरीर तेजी से बढ़ता है और हार्मोनल परिवर्तन होते हैं। इस उम्र में ऊर्जा, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और विटामिन डी की आवश्यकता बढ़ जाती है। विशेष रूप से किशोरियों के लिए आयरन युक्त भोजन अत्यंत आवश्यक है ताकि एनीमिया से बचा जा सके। दुर्भाग्यवश आज के अनेक किशोर जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक और पैकेज्ड स्नैक्स को प्राथमिकता देते हैं, जिससे मोटापा, पोषण की कमी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ रही हैं। घर का ताजा भोजन, मौसमी

फल, सूखे मेवे और पर्याप्त पानी इस आयु के लिए सर्वोत्तम हैं। युवावस्था में पढ़ाई, नौकरी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण लोग अक्सर भोजन को नजरअंदाज कर देते हैं। नाश्ता छोड़ना, देर रात खाना और फास्ट फूड पर निर्भर रहना आम बात हो गई है।

जबकि यही वह समय है जब स्वस्थ खान-पान की आदतें भविष्य के स्वास्थ्य की नींव रखती हैं। साबुत अनाज, दालें, हरी सब्जियाँ, फल, कम वसा वाला दूध, दही और पर्याप्त प्रोटीन शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं तथा मानसिक क्षमता को भी बढ़ाते हैं। चालीस और पचास वर्ष की आयु के बाद शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा होने लगता है। इस समय मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए भोजन की मात्रा पर नियंत्रण रखना आवश्यक हो जाता है। अधिक फाइबर वाले खाद्य पदार्थ जैसे ओट्स, साबुत अनाज, फल और हरी सब्जियाँ पाचन को बेहतर बनाते हैं और वजन नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। नमक, चीनी और तले हुए भोजन का सेवन सीमित करना चाहिए। वृद्धावस्था में शरीर की मांसपेशियाँ कमजोर होने लगती हैं, हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और पाचन क्षमता भी घट सकती है। इस अवस्था में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन डी, विटामिन बी12 और ओमेगा-3 फैटी एसिड का पर्याप्त सेवन अत्यंत आवश्यक है। दूध, पनीर, दालें, मछली, मेवे, बीज और हरी पत्तेदार सब्जियाँ शरीर को मजबूती प्रदान करती हैं। साथ ही पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है क्योंकि बढ़ती उम्र में प्यास का एहसास कम हो सकता है। हालाँकि हर उम्र की अपनी अलग पोषण संबंधी आवश्यकताएँ होती हैं, लेकिन कुछ सिद्धांत सभी पर समान रूप से लागू होते हैं। प्रतिदिन रंग-बिरंगे फल और सब्जियाँ खाएँ, साबुत अनाज को प्राथमिकता दें, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से बचें, चीनी और नमक का सीमित उपयोग करें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ। नियमित व्यायाम और संतुलित आहार मिलकर बेहतर स्वास्थ्य की आधारशिला बनाते हैं। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में त्वरित और स्वादिष्ट भोजन का आकर्षण बढ़ गया है, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर सुविधा का चुनाव बुद्धिमानी नहीं है। घर का ताजा भोजन, भोजन के लेबल पढ़ने की आदत और सोच-समझकर खाना खाने की संस्कृति हमें अनेक बीमारियों से बचा सकती है। 'उम्र के अनुसार खाइए' कोई फैशन या नया डाइट ट्रेंड नहीं है, बल्कि विज्ञान पर आधारित जीवनशैली है। हमारा शरीर हर उम्र में अलग तरह से काम करता है और उसे उसी के अनुरूप पोषण चाहिए। यदि हम अपनी उम्र के अनुसार सही भोजन चुनें, तो न केवल बीमारियों से बच सकते हैं बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर बना सकते हैं। स्वास्थ्य किसी एक दिन में नहीं बनता, बल्कि हर दिन लिए गए छोटे-छोटे सही निर्णयों से बनता है। इसलिए अपनी उम्र की जरूरतों को समझें, संतुलित भोजन अपनाएँ और जीवन के हर पड़ाव को ऊर्जा, स्वास्थ्य और उत्साह के साथ जीएँ। यही है–जीवन के हर चरण के लिए सही पोषण।'

संसद, कानून और लोकतंत्र: क्या ध्वनि मत से पूरी होती है विधायी जवाबदेही?

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारतीय संसद उसकी लोकतांत्रिक आत्मा का सर्वोच्च संस्थागत मंच है। संसद केवल कानून बनाने की इमारत नहीं, बल्कि जनता की आशाओं, समस्याओं असहमतियों और अपेक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में बदलने वाली संवैधानिक व्यवस्था है। संसद में सरकार बहुमत के आधार पर शासन करती है, किंतु लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति केवल बहुमत में नहीं, बल्कि बहससंवाद विपक्ष की भागीदारी, विधेयकों की गहन जांच, मतदान की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही में निहित होती है, इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं की कि संसद का मूल्य केवल इस बात से नहीं आंका जाना चाहिए कि कितने विधेयक पारित हुए, बल्कि इस बात से भी आंका जाना चाहिए कि वे कितनी चर्चा, कितनी जांच और कितनी लोकतांत्रिक भागीदारी के बाद पारित हुए। वर्ष 2026 के मानसून सत्र के अंतिम चरण में पेपर लीक और छात्रों से जुड़े मुद्दे ने संसद के भीतर एक गंभीर राजनीतिक और लोकतांत्रिक प्रश्न खड़ा किया। विपक्ष ने परीक्षा अनियमितताओं, छात्र आंदोलनों और कथित पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा।इसके बाद विपक्षी दलों ने विरोध दर्ज कराया और कुछ अवसरों पर मतदान की प्रक्रिया का बहिष्कार किया। इसी राजनीतिक तनाव के बीच सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 संबंधी संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में ध्वनि मत से पारित हुआ। तथा इसपर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 31 जुलाई 2026 को अपनी स्वीकृति (मंजूरी) दे दी है, और कानून मंत्रालय द्वारा इसी दिन इसकी राजपत्र (गजट) अधिसूचना जारी कर दी गई है और यह अब कानून लागू हो चुका है। साथियों उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार विधेयक पर बहस हुई, लेकिन सदन में तीखी नोकझोंक और व्यवधान के बीच अंतिम स्वीकृति ध्वनि मत से दी गई।बता दे कि संसद के मानसून सत्र 2026 में 31 जुलाई तक कम-से- कम 3 प्रमुख विधेयक (1) लोक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 (2) राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 दोनों सदनों से पारित ध्वनि मत (3) जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, यानें तीनों विधेयक ध्वनि मत से पारित किए गए; इस अवधि में किसी विधेयक पर औपचारिक विभाजन (रिकॉर्डेड वोटिंग) का स्पष्ट मामला सामने नहीं आया। यह घटनाक्रम केवल एक विधेयक के पारित होने का प्रश्न नहीं है। इसके माध्यम से एक बड़ा लोकतांत्रिक प्रश्न सामने आता है, जब किसी कानून का संबंध लाखों विद्यार्थियों के भविष्य, परीक्षा की विश्वसनीयता और युवाओं के विश्वास

से हो, तब क्या केवल ध्वनि मत पर्याप्त लोकतांत्रिक संतुष्टि प्रदान करता है? और यदि विपक्ष मतदान का बहिष्कार करता है, तो क्या सरकार की जिम्मेदारी केवल बहुमत के आधार पर कानून पारित करना है, या उसे व्यापक राजनीतिक सहमति और सार्वजनिक विश्वास भी सुनिश्चित करना चाहिए? पेपर लीक केवल परीक्षा की गड़बड़ी नहीं, युवाओं के भविष्य और लोकतांत्रिक विश्वास का प्रश्न। साथियों, सरकार का पक्ष यह रहा कि पेपर लीक जैसी गतिविधियों को रोकने के लिए कठोर कानून और त्वरित न्यायिक व्यवस्था आवश्यक है।यह तर्क अपने आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि संगठित परीक्षा अपराधों पर प्रभावी दंड, जांच और समयबद्ध सुनवाई की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता।लेकिन लोकतंत्र में कानून की कठोरता के साथ उसकी विश्वसनीयता भी आवश्यक होती है। यदि कानून बनाने की प्रक्रिया में व्यापक चर्चा, संशोधनों पर विचार और विपक्ष की भागीदारी कम दिखाई दे, तो कानून की वैधानिकता तो बनी रहती है, किंतु उसके प्रति राजनीतिक और सामाजिक स्वीकार्यता का प्रश्न उठ सकता है। साथियों बात अगर हम विपक्ष का विरोध और मतदान का बहिष्कार: लोकतांत्रिक अधिकार या संसदीय प्रक्रिया की कमजोरी? इसको समझने की करें तो लोकतंत्र में विपक्ष का कार्य केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। विपक्ष जनता के उन वर्गों की आवाज भी है जिनकी अपेक्षाएं, शिकायतें या असहमति सरकार की प्राथमिकताओं से अलग हो सकती हैं। संसद में विपक्ष का विरोध, नारेबाजी, बहिर्गमन या मतदान का बहिष्कार राजनीतिक असहमति व्यक्त करने के संसदीय साधन हो सकते हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि लगातार व्यवधान और मतदान से दूरी विपक्ष की विधायी भूमिका को कमजोर कर सकती है।पेपर लीक के मुद्दे पर विपक्ष ने यह तर्क रखा कि पहले छात्रों के प्रश्नों, आंदोलन और कथित प्रशासनिक कार्रवाई पर स्पष्ट चर्चा होनी चाहिए। यदि विपक्ष को लगता है कि उसके मुद्दों को पर्याप्त समय नहीं दिया गया, तो विरोध उसकी राजनीतिक रणनीति बन सकता है। दूसरी ओर, यदि विपक्ष मतदान का बहिष्कार करता है, तो वह विधेयक की धाराओं में संशोधन प्रस्तावित करने, सरकार से स्पष्टीकरण मांगने और रिकॉर्डेड वोट के माध्यम से अपनी स्थिति दर्ज कराने का अवसर भी सीमित कर देता है।इसलिए लोकतांत्रिक जिम्मेदारी दोनों पक्षों की है। सरकार को विपक्ष की बात सुनने और महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर पर्याप्त चर्चा सुनिश्चित करनी चाहिए, जबकि विपक्ष को भी विरोध के साथ विधायी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। लोकतंत्र में केवल विरोध करना पर्याप्त नहीं; वैकल्पिक सुझाव देना, संशोधन प्रस्तुत करना और मतदान में अपनी स्थिति सटीकता से दर्ज कराना भी आवश्यक है। साथियों बात अगर हम ध्वनि मत क्या है और इसकी संवैधानिक- संसदीय स्थिति क्या है? इसको समझने की करें तो ध्वनि मत भारतीय संसद की एक मान्य और लंबे समय से प्रचलित संसदीय प्रक्रिया है। इसमें अध्यक्ष या सभापति सदन से पूछते हैं कि प्रस्ताव के पक्ष में कौन है और विरोध में कौन है। सदस्य ह्लहाँह्व या ह्लनहींह्व कहकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। अध्यक्ष ध्वनि की तीव्रता के आधार पर निर्णय देते हैं कि प्रस्ताव स्वीकार हुआ या अस्वीकार। भारतीय संसदीय परंपरा में ध्वनि मत कोई असंवैधानिक या अवैध प्रक्रिया नहीं है; यह सामान्य संसदीय निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा है।लेकिन ध्वनि मत की एक महत्वपूर्ण सीमा यह है कि इसमें प्रत्येक सांसद का व्यक्तिगत मतदान रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं होता। जनता यह नहीं जान पाती कि किस सांसद ने किसी विधेयक के पक्ष या विरोध में मतदान किया। यदि किसी सदस्य को अध्यक्ष के निर्णय पर आपत्ति हो, तो नियमों के अनुसार वह विभाजन अर्थात डिवीजन की मांग कर सकता है। विभाजन में मतों की गिनती या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डिंग के माध्यम से स्पष्ट परिणाम प्राप्त किया जा सकता है।यहीं से लोकतांत्रिक बहस शुरू होती है। ध्वनि मत सामान्य और गैर-विवादित मामलों में त्वरित निर्णय का प्रभावी माध्यम हो सकता है। लेकिन जब विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण हो, व्यापक जनहित से जुड़ा हो, राजनीतिक विवाद का विषय बना हो या विपक्ष उसकी धाराओं पर गंभीर आपत्ति कर रहा हो, तब रिकॉर्डेड मतदान लोकतांत्रिक पारदर्शिता को अधिक मजबूत कर सकता है। साथियों बात अगर हम क्या ध्वनि मत से विधेयक पारित होना लोकतंत्र के लिए अच्छा है? इसको समझने की करें तो इस प्रश्न का उत्तर केवल ह्लहाँह्व या ह्लनहींह्व में नहीं दिया जा सकता। ध्वनि मत स्वयं लोकतंत्र-विरोधी नहीं है। संसद के नियमों में इसका स्थान है और अनेक मामलों में यह समय बचाने तथा सर्वसम्मति या स्पष्ट बहुमत वाले निर्णयों के लिए उपयोगी है। यदि सदन में पर्याप्त चर्चा हुई हो, सदस्य अपनी राय रख चुके हों और किसी सदस्य ने विभाजन की मांग न की हो, तो ध्वनि मत से निर्णय को संसदीय प्रक्रिया के अंतर्गत वैध माना जाता है।लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब ध्वनि मत विस्तृत बहस के विकल्प के रूप में दिखाई देने लगे। यदि किसी विधेयक पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई, उसे संसदीय समिति के पास नहीं भेजा गया, विपक्ष की आपत्तियों पर गंभीर विचार नहीं हुआ और अंत में केवल ध्वनि मत से उसे पारित कर दिया गया, तो लोकतांत्रिक गुणवत्ता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।लोकतंत्र में बहुमत सरकार को निर्णय लेने का अधिकार देता है, किंतु बहस की आवश्यकता समाप्त नहीं करता।

शारदा नदी में बढ़ा जलस्तर, धनाराघाट पर तेज कटान से निमार्णाधीन सेतु पर मंडराया खतरा

गाइड बंध निर्माण की मांग तेज, ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपाय किए जाने की उठाई आवाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। मैदानी इलाकों के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर शारदा नदी के जलस्तर पर दिखाई देने लगा है। नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही धनाराघाट क्षेत्र में कटान की रफ्तार भी तेज हो गई है। रविवार को धनाराघाट में निमार्णाधीन शारदा सेतु और जंगल के बीच नदी के किनारे तेजी से हो रहे कटान ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी। कटान की चपेट में आकर कई बेशकीमती पेड़ भी नदी में समा गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कटान रोकने के ठोस इंतजाम नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।सबसे बड़ी चिंता करोड़ों रुपये की लागत से निमार्णाधीन शारदा सेतु की सुरक्षा को लेकर जताई जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक नदी जिस तेजी से अपना रुख बदलते हुए कटान कर रही है, उससे निमार्णाधीन सेतु के आसपास का क्षेत्र भी प्रभावित हो सकता है। चंदिया हजारा के प्रधान वासुदेव कुंडू ने बताया कि निमार्णाधीन सेतु से करीब 500 मीटर की दूरी पर धनाराघाट की ओर शारदा नदी तेजी से कटान कर रही है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर सेतु की सुरक्षा के लिए नदी के दोनों ओर करीब एक-एक किलोमीटर लंबे गाइड बंध के निर्माण की मांग की गई थी।

प्रधान ने कहा कि यदि समय रहते गाइड बंध का निर्माण करा दिया जाए तो निमार्णाधीन सेतु के साथ ही आसपास के गांवों और कृषि भूमि को भी कटान से बचाया जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि शारदा नदी का कटान हर वर्ष किसानों की उपजाऊ जमीन को अपने आगोश में ले लेता है।इसके कारण कई परिवारों की कृषि भूमि समाप्त हो चुकी है और कई गांव भी नदी की धारा में समा चुके हैं।लगातार बारिश के कारण हाल ही में सुतिया पुल के क्षतिग्रस्त होने से भी क्षेत्रवासियों की मुश्किलें बढ़ी हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से शारदा नदी के बढ़ते जलस्तर और कटान की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कराते हुए सुरक्षा के स्थायी इंतजाम कराने की मांग की है, ताकि निमार्णाधीन सेतु और आसपास के आबादी क्षेत्रों को संभावित खतरे से बचाया जा सके।

भाकियू एकता शक्ति में आमिर खान बने अधिवक्ता सभा के गाजियाबाद जिला अध्यक्ष

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय कार्यालय पर रविवार को संगठन विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आमिर खान को संगठन की अधिवक्ता सभा का गाजियाबाद जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया।नियुक्ति के दौरान संगठन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा, उत्तर प्रदेश) आबिद खान, नोएडा महानगर अध्यक्ष सतीश शर्मा तथा कार्यालय प्रभारी राकेश शर्मा सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।संगठन के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष आमिर खान को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर आमिर खान ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए पूरी निष्ठा के साथ किसानों और संगठन के हित में कार्य करने का भरोसा दिलाया।

टांडा में सजीमेंड अस्पताल का उद्घाटन

इलाज के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा: पालिकाध्यक्षपति

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा(रामपुर)। नगर के मोहल्ला आजादनगर में स्थित सजीमेंड हेल्थ केयर मल्टीस्पेशलिटी निजी अस्पताल का रविवार को पालिकाध्यक्षपति हाजी सरफराज आलम ने फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद अध्यक्षपति ने अस्पताल में मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और डॉक्टरों व स्टाफ से बातचीत की। उन्होंने कहा कि इस आधुनिक अस्पताल के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी और उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर में ही बेहतर डॉक्टर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अस्पताल के एमडी डॉ. शकील मलिक ने बताया कि उनकी प्राथमिकता हर वर्ग के लोगों को समय पर अच्छा इलाज उपलब्ध कराना और जरूरतमंदों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। अस्पताल में जनरल/लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, फेफड़े एवं छाती रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, यूरो सर्जरी, बाल रोग, जनरल मेडिसिन, हड्डी एवं जोड़ रोग तथा नवजात शिशु एवं बाल रोग विभागों के साथ अल्ट्रासाउंड और डिजिटल एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है। इस अवसर पर डॉक्टर शमीम अहमद, डॉक्टर यासमीन फारूक, डॉक्टर मोहम्मद इमरान सहित व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष हाजी शकील, आशीष वर्मा, सलीम कसगर, लईक सैफी, नेता अकीलुर्रहमान, डॉक्टर जुल्फिकार, शरीफ जमील, नेता अफसर, इमरान पाशा और नवेद रहमानी आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शिवालयों की ओर बढ़ने लगे कांवड़िये, 11 को शिवरात्रि पर करेंगे भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। सावन मास के शुभारंभ के साथ ही कांवड़ यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। हरिद्वार और ब्रजघाट सहित विभिन्न गंगा घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़ियों के जत्थे अपने-अपने गंतव्य की ओर बढ़ने लगे हैं। भगवा वस्त्रों में सजे शिवभक्तों के ₹बोल बम₹ और ₹हर-हर महादेव₹ के जयघोष से प्रमुख मार्ग शिवमय होते जा रहे हैं। आगामी 11 अगस्त को श्रावण कृष्ण शिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। इसके लिए शिवालयों में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

सावन का पहला सोमवार होने के कारण सोमवार को जिले के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करेंगे। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

जनपद के गांव सबली स्थित प्राचीन महादेव मंदिर, छपकौली स्थित श्री श्यामेश्वर महादेव मंदिर सहित शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी प्रमुख शिवालयों में भक्तों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंदिर समितियों द्वारा साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और दर्शन की सुचारु व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों की संख्या अभी अपेक्षाकृत कम है, लेकिन जैसे-जैसे शिवरात्रि नजदीक आएगी, राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख मार्गों पर कांवड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ेगी। प्रशासन भी कांवड़ यात्रा को लेकर पूरी तरह सतर्क है और सुरक्षा, यातायात तथा चिकित्सा सुविधाओं की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ज्योतिषाचार्य पंडित सुबोध पांडेय ने बताया कि इस वर्ष श्रावण मास में चार सोमवार पड़ रहे हैं। पहला सोमवार 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त और चौथा 24 अगस्त को रहेगा। वहीं 11 अगस्त को श्रावण कृष्ण शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रातः 5:30 बजे से भगवान शिव का जलाभिषेक प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि श्रावण शिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का अत्यंत शुभ अवसर माना जाता है। इस दिन व्रत, रुद्राभिषेक, शिव मंत्रों का जाप और रात्रि जागरण का विशेष धार्मिक महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिवरात्रि के दिन प्रातः स्नान कर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद शिवलिंग पर गंगाजल, जल, दूध, दही, घी, शहद, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, भस्म, दूब तथा मौसमी फल अर्पित कर विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए। श्रद्धालु 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप और रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि विभिन्न द्रव्यों से रुद्राभिषेक करने का अलग-अलग आध्यात्मिक महत्व होता है। गंगाजल से अभिषेक करने पर पापों का नाश, दूध से अभिषेक करने पर सुख-समृद्धि, दही से आरोग्य, घी से तेज और शहद से मधुरता एवं समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसी कारण सावन मास और विशेष रूप से शिवरात्रि पर रुद्राभिषेक का विशेष महत्व माना गया है। सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति का सबसे पवित्र काल माना जाता है।

उमाशंकर हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, पत्नी गिरफ्तार; प्रेमी की तलाश जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव लोहरपुरी फुलहर में हुए चर्चित उमाशंकर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में मृतक की पत्नी ममता देवी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला कारागार भेज दिया गया। वहीं, जांच के दौरान सामने आए एक अन्य आरोपी नकुम भावेश की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।पुलिस के मुताबिक, उमाशंकर गुजरात में मजदूरी करता था और समय-समय पर अपने गांव आता-जाता था। करीब तीन-चार वर्ष पूर्व उसकी पत्नी ममता देवी भी बच्चों के साथ गुजरात चली गई थी। वहां दोनों एक ही फैक्ट्री में काम करते थे। इसी दौरान ममता की पहचान फैक्ट्री में कार्यरत नकुम भावेश से हुई। पुलिस जांच में दोनों के बीच कथित रूप से प्रेम संबंध होने की बात सामने आई है। पुलिस का यह भी दावा है कि दोनों ने कथित तौर पर न्यायालय में विवाह किया था।

जांच के अनुसार, उमाशंकर को पत्नी के कथित संबंधों की जानकारी हो गई थी। इसके बाद पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होने लगा था। पुलिस का कहना है कि 31 जुलाई को भी इसी मुद्दे को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के बाद ममता ने अपने कथित प्रेमी नकुम भावेश से फोन पर बातचीत की। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान उमाशंकर को रास्ते से हटाने की योजना बनाई गई। पुलिस का दावा है कि उसी रात ममता ने आम के स्वाद वाली शीतल पेय में 10 से 15 नींद की गोलियां मिलाकर उमाशंकर को पिला दीं। इसके बाद उसके बेहोश होने पर कथित रूप से मुंह और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी के मौके से चले जाने की बात भी पुलिस जांच में सामने आई है।

दो दिनों से अंधेरे में बाजार, ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली आपूर्ति ठप

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। सिसवा नाहर बाजार और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। ट्रांसफार्मर में आई खराबी के कारण हजारों उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली न होने से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जबकि बाजार के व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

लगातार दो दिनों से बिजली आपूर्ति बंद रहने के कारण दुकानों में बिजली से चलने वाले उपकरण बंद पड़े हैं। घरों में पंखे, कूलर, पानी की मोटर, मोबाइल चार्जिंग सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रभावित हो गई हैं। शाम ढलते ही पूरा बाजार अंधेरे में डूब जाता है, जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना बिजली विभाग के कर्मचारियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार दी गई, लेकिन अब तक खराबी दूर नहीं की गई। विभाग की इस लापरवाही से उपभोक्ताओं में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। बाजार के व्यापारियों और ग्रामीणों का कहना है कि बिजली न होने से आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग समय पर कार्रवाई नहीं कर रहा है, जिससे आम जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि जल्द बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो लोग आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सिसवा नाहर बाजार के व्यापारियों और क्षेत्रवासियों ने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल ठीक कराया जाए या नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

डॉ वीरेंद्र सिंह ने कई गांवो में किया जनसंपर्क

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। नूरपुर विधानसभा से भाजपा के संभावित प्रत्याशी डॉ वीरेंद्र सिंह राजपूत वरिष्ठ सर्जन ने नूरपुर विधानसभा के ग्राम फतेहाबाद व रहैटी में जनसंपर्क किया तथा ग्राम पुरैना व रहैटा में जनसभाएं की। ग्राम पुरैना में तारा सिंह के आवास पर डॉ वीरेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुये केंद्र व प्रदेश की सरकारो की उपलब्धियां के विषय में बताया उन्होंने बताया कि समाज के हर वर्ग के लिए आयुष्मान कार्ड द्वारा निशुल्क इलाज और गरीबों के मकान वह शौचालय बनवाना फ्री गैस कनेक्शन गरीबों के लिए फ्री राशन वितरण तथा गरीबों की बेटियों की शादियों में अनुदान देने आदि की चर्चा की और सबसे अपील की कि आगामी चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार को तीसरी बार बहुमत दिलाने की पूरी तन मन से तैयारी की जानी चाहिए। और अधिक से अधिक संख्या में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को जिताकर विधानसभा भेजा जाना चाहिए, सभा का संचालन तारा सिंह ने किया जिसमें मौजूद पुरैना के जगत सिंह, अरविंद सिंह, अर्जुन सिंह, शुभम कुमार, आदित्य कुमार, टीटू, तरंग कार्तिक, व अन्य लोग उपस्थित रहे। रहैटा में नवाजिश खान के आवास पर भी सभा की गई जिस का संचालन अलीम खान ने किया। सभा में मौजूद नवाजिश खान, मोनिस खान, वशी, नौशाद, जुबेर, एहसान खान, व अतीक अहमद आदि लोग सम्मिलित रहे।

कोर्ट के आदेश पर वाहन कब्जाने और जान से मारने की धमकी के मामले में रिपोर्ट दर्ज

शिकारपुर/बुलंदशहर। सलेमपुर थाना क्षेत्र से जुड़ा एक मामला न्यायालय पहुंच गया है। न्यायालय में दाखिल प्रार्थना पत्र में प्रवीण कुमार शर्मा ने आरोप लगाया है कि व्यापारिक लेन-देन के दौरान उन्होंने आरोपी को कई बार नकद, चेक और ऑनलाइन माध्यम से रुपये दिए थे। साथ ही वाहन की किस्तों का भुगतान भी स्वयं करते रहे। प्रार्थना पत्र के अनुसार, वाहन वर्तमान में आरोपी के कब्जे में है। आरोप है कि 20 मई 2026 को वाहन वापस मांगने पर आरोपी ने कुछ दिनों का समय मांगा, लेकिन बाद में वाहन लौटाने से इनकार कर दिया। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि दोबारा वाहन मांगने पर उसके साथ गाली-गलौज, हाथापाई की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि इस संबंध में पहले भी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

डाक कांवड़ यात्रा रही सफल, अब 16 व 17 अगस्त को निकलेगी भव्य जलाभिषेक यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं भारतीय राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वावधान में रविवार को माधोटांडा स्थित गोमती उद्गम स्थल से इकोत्तरनाथ मंदिर तक डाक कांवड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने भाग लेकर भगवान भोलेनाथ के जयकारों के बीच जल लेकर पदयात्रा की। पूरे मार्ग पर धार्मिक माहौल बना रहा।गौ रक्षा प्रमुख शिवम भदोरिया ने बताया कि 2 अगस्त को आयोजित डाक कांवड़ यात्रा पूरी तरह सफल रही। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों के उत्साह और सहयोग से यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया।उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 16 अगस्त को धनाराघाट स्थित शारदा नदी से पवित्र जल भरकर डाक कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा गोला गोकर्णनाथ स्थित भगवान शिव के मंदिर पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु विधि-विधान से जलाभिषेक करेंगे।इसके अगले दिन 17 अगस्त को धनाराघाट से शारदा नदी का जल लेकर बाइक कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा पूरनपुर स्थित चुंगी वाले बाबा मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। इसके लिए सभी श्रद्धालु सुबह तहसील परिसर में एकत्र होंगे, जहां से यात्रा विधिवत रवाना होगी।आयोजकों ने बताया कि दोनों आयोजनों को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन से सहयोग लिया जा रहा है तथा सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने अधिक से अधिक शिवभक्तों से यात्रा में शामिल होकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

दहेज की बलि चढ़ी नवविवाहिता? जहर देकर हत्या पर परिजनों का हंगामा, मुकदमा दर्ज

मायके पक्ष ने पति समेत ससुरालियों पर लगाए गंभीर आरोप, पोस्टमार्टम के बाद होगी मौत के कारणों की पुष्टि

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना क्षेत्र के ग्राम पड़रिया में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका के मायके पक्ष ने पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर लगातार प्रताड़ित करने और जबरन सल्फास की गोलियां खिलाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर पोस्टमार्टम कराने तथा आरोपियों के विरुद्ध हत्या, दहेज उत्पीड़न और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार ग्राम गोपालपुर निवासी विनोद कुमार ने बताया कि उसकी बहन मालती देवी का विवाह 4 जून 2025 को थाना क्षेत्र के ग्राम पड़रिया निवासी विजय कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। परिजनों का आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद से ही पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी और देवर द्वारा दहेज में पांच लाख रुपये नकद, सोने की चेन और अंगूठी की मांग की जाने लगी। मांग पूरी न होने पर मालती के साथ आए दिन मारपीट, मानसिक उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार किया जाता था। मायके पक्ष का कहना है कि कई बार समाज के लोगों और रिश्तेदारों के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया गया, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष का व्यवहार नहीं बदला और विवाहिता पर लगातार दहेज लाने का दबाव बनाया जाता रहा।

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि रविवार सुबह मालती की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि पति के परिजनों ने उसे पकड़कर जबरन सल्फास की गोलियां खिला दीं। हालत गंभीर होने पर उसे आनन-फानन में पूरनपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतका के भाई का दावा है कि अस्पताल में उपचार के दौरान मालती ने होश में आने पर उसके सामने बताया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे जबरन जहर खिलाया है। इसके कुछ ही समय बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हालांकि इस कथित बयान की पुष्टि पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी। घटना की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग अस्पताल पहुंच गए, जहां चीख-पुकार और मातम का माहौल बन गया। परिजनों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते दहेज प्रताड़ना पर रोक लगाई जाती तो उनकी बेटी की जान बच सकती थी।

पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्यों और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी कहा कि मामले की हर पहलू से निष्पक्ष जांच की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में चर्चा का माहौल है और सभी की निगाहें अब पुलिस जांच तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं।

इजरायल को हथियारों की आपूर्ति मानवता और भारतीय मूल्यों पर कलंक: मौलाना महमूद मदनी

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। भारत से इजरायल को हथियारों की कथित आपूर्ति को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की उस हालिया रिपोर्ट पर गहरा दुख और आक्रोश जताते हुए उन्होंने इसे 'मानवता और भारतीयता के दामन पर दाग' करार दिया है, जिसमें दावा किया गया है कि अक्तूबर 2023 से नवंबर 2025 के बीच भारत से लाखों सैन्य हथियार और तोप के गोले इजरायल भेजे गए हैं। इस बेहद संवेदनशील मामले पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया को अस्पष्ट बताते हुए मौलाना मदनी ने कहा कि सरकार का यह टालमटोल वाला रवैया देश की नैतिक बुनियाद और वैश्विक साख के लिए बेहद नुकसानदेह है। मीडिया को जारी अपने आधिकारिक बयान में जमीयत प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के 2024 के उस निर्देश का हवाला दिया, जिसमें इजरायल के अवैध कब्जे और नरसंहार को देखते हुए सभी देशों को हथियारों की आपूर्ति रोकने की चेतावनी दी गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1949 के जिनेवा कन्वेंशन और 1948 के नरसंहार रोकथाम समझौते के तहत भी युद्ध अपराधों में इस्तेमाल होने वाले हथियारों की आपूर्ति पर पूर्ण रूप से पाबंदी है। मौलाना मदनी ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह जानते हुए भी कि इन हथियारों का इस्तेमाल मासूम बच्चों, महिलाओं और आम नागरिकों के अंधाधुंध कत्लेआम में हो रहा है, हथियारों की सप्लाई करना एक आपराधिक कृत्य है जो नरसंहार में हिस्सेदारी के समान है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन नहीं है, बल्कि इंसानियत और भारतीय मूल्यों के साथ भी बहुत बड़ा धोखा है। भारत की ऐतिहासिक विदेश नीति का जिक्र करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी के दौर से ही भारत का स्वर्णिम इतिहास हमेशा पीड़ित फिलिस्तीनी अवाम के साथ खड़े रहने का रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने तटस्थता का हवाला देकर इस नीति को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर इस तटस्थता को मान भी लिया जाए, तो एक तरफ गुटनिरपेक्ष होने का दावा करना और दूसरी तरफ हमलावर को हथियार देना हमारे राष्ट्रीय सिद्धांतों और ऐतिहासिक वादों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। देश का कोई भी जमीर वाला नागरिक इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने भारत सरकार से पुरजोर मांग की है कि वह सरकारी और निजी दोनों रक्षा कंपनियों द्वारा इजरायल को की जाने वाली हथियारों और सैन्य उपकरणों की आपूर्ति पर तुरंत रोक लगाए। संगठन ने यह भी मांग की कि सरकार अपनी पारदर्शी तरीके से सच्चाई सामने लाए और मानवता की खातिर इजरायल के साथ अपने सभी सैन्य संबंध खत्म करे।

चकबन्दी अधिकारियों की हिदायत के बाद भी अराजक किसानों ने चकमार्ग में की धान की रोपाई

विजय द्विवेदी वेलकम इन्डिया

प्रतापगढ़। लालगंज तहसील अंतर्गत ग्राम सभा बीरबल के सभी गांवों में चकबंदी अधिकारी (सीओ) अविनाश पांडेय के निर्देशन में चकबंदी प्रक्रिया, चकबंदी कानूनगो एवं लेखपालों की अथक मेहनत के बाद लगभग अंतिम चरण में पहुंच गई है। कुछ राजस्व गांवों में अब केवल धारा 52 का प्रकाशन शेष है। लेकिन धारा 52 का प्रकाशन होने से पहले ही किसानों की राह आसान और सुगम बनाने के लिए सीओ चकबंदी अविनाश पांडेय एवं एसीओ आनंद कुमार की सूझबूझ से निकाले गए चकमार्गों पर कुछ अराजकतावादी प्रवृत्ति के किसानों ने कब्जा कर धान की रोपाई करा दी, जिससे शांतिप्रिय किसानों में गहरी नाराजगी है। लालगंज तहसील अंतर्गत ग्राम पूरे निर्मल गिरिधर चकबंदी प्रक्रिया के अधीन है, जहां चकबंदी लेखपाल सुनील चौहान तथा कानूनगो मान सिंह एवं श्रीधर यादव की भीषण गर्मी में अथक मेहनत से चकबंदी प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। अब केवल धारा 52 का प्रकाशन शेष बताया जा रहा है।

शासन की मंशा के अनुरूप एसीओ आनंद कुमार ने सीओ चकबंदी के निर्देशन में प्रत्येक गाटे को चकमार्ग और नाली से जोड़कर गांव को लगभग विवादमुक्त बनाने का सराहनीय प्रयास किया है। लेकिन अवैध कब्जे के आदी कुछ अराजकतावादी प्रवृत्ति के किसानों ने विवादमुक्त व्यवस्था की इस सोच को प्रभावित करते हुए नव-निर्मित चकमार्गों पर अतिक्रमण कर धान की रोपाई करा दी है। इससे उन किसानों में भारी नाराजगी है, जिनके खेतों तक पहुंचने के लिए यही चकमार्ग महत्वपूर्ण साधन थे। किसानों का कहना है कि यदि दबंगों द्वारा चकमार्गों पर कब्जा कर लिया गया तो चकबंदी का मूल उद्देश्य ही अधूरा रह जाएगा।

नाराज किसानों ने चकबंदी अधिकारी एवं सहायक चकबंदी अधिकारी से मांग की है कि चकमार्गों पर अतिक्रमण कर धान की रोपाई कराने वाले किसानों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही जब तक चकमार्गों और नालियों से अतिक्रमण पूरी तरह नहीं हटाया जाता, तब तक धारा 52 का प्रकाशन स्थगित रखा जाए, ताकि चकबंदी का उद्देश्य पूरी तरह सफल हो सके।

सावनः पुलिस-प्रशासन अलर्ट, एसपी सुकीर्ति माधव के नेतृत्व में कड़े सुरक्षा इंतजाम

वेलकम इंडिया संवाददाता

बीसलपुर/पीलीभीत। सावन माह एवं कांवड़ यात्रा को लेकर पीलीभीत पुलिस- प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के नेतृत्व में जिलेभर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कांवड़ मार्गों, शिव मंदिरों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है, जबकि लगातार गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की जा रही है। रविवार को चुर्रासकतपुर क्षेत्र से कांवड़ियों का जत्था भगवान शिव के जल भरने हेतु रवाना हुआ। 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों के बीच श्रद्धालु उत्साहपूर्वक अपनी यात्रा पर निकले।चुर्रासकतपुर क्षेत्र में थाना प्रभारी संजीव शुक्ला के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया। पुलिस ने कांवड़ियों की सुरक्षित एवं सुचारु यात्रा सुनिश्चित करने के लिए यातायात व्यवस्था संभाली और श्रद्धालुओं से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।पुलिस प्रशासन का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है। इसके लिए जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति रजि मथुरा का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति रजि मथुरा के तत्वावधान में बरसाना रोड स्थित पाडल गांव में राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन एवं अधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्रपट पर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री पंडित बंसीलाल शर्मा द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर बल देते हुए रिक्त पड़े पदों पर शीघ्र नियुक्तियां करने की मांग उठाई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की मजबूती और समाज की एकजुटता पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता अखिलेश गोड़ एवं मुकेश शास्त्री ने कहा कि ब्राह्मण समाज में जिस सरकार को बनाने की क्षमता है, उसी प्रकार समाज को अपनी शक्ति पहचानते हुए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर समाज के सभी लोगों से संगठनात्मक एकता बनाए रखने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों एवं प्रदेशों में नए पदाधिकारियों का गठन किया जाएगा, जिससे संस्था को और अधिक मजबूती मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में मातृशक्ति को विशेष रूप से संगठन से जोड़ते हुए उनकी नियुक्तियां की जाएंगी। मातृशक्ति के सहयोग से भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति रजिस्टर्ड मथुरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री पंडित बंसीलाल शर्मा का पटका एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। समिति के सचिव एवं जिला पंचायत सदस्य पंडित कुंजी शर्मा ने दोनों अतिथियों को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। पंडित कुंजी शर्मा द्वारा सुंदरकांड पाठ एवं प्रसाद वितरण की भी उत्कृष्ट व्यवस्था की गई, जिसके लिए समिति ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अखिलेश गोड़, विनोद दीक्षित, चंद्रप्रकाश कवि, स्वास्तिक शर्मा, सचिव के.के. शर्मा, महंत लब्बू पंडित, अजय शर्मा, चंद्रप्रकाश टावर वाले, विष्णु शर्मा, आशीष शर्मा, कांग्रेसी नेता मदन मोहन शर्मा, जेपी शर्मा, हरीश शर्मा, राकेश शर्मा, श्याम शर्मा, उपाध्यक्ष आशुतोष भारद्वाज, राजवीर दीक्षित, गौ रक्षक दल से पवन दुबे, अर्जुन पंडित, मुकेश शर्मा, प्रकाश शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पंडित कुंजी शर्मा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

गलत ऑपरेशन के आरोप में वांछित गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

रूदौली/अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देशन में अपराध नियंत्रण एवं महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली रूदौली पुलिस ने गलत ऑपरेशन करने के आरोप में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रूदौली संजय मौर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मु.अ.सं. 411/2026, धारा 105 बीएनएस से संबंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र माताफेर, निवासी ग्राम हयातनगर, थाना कोतवाली रूदौली, जनपद अयोध्या को रविवार, 2 अगस्त 2026 को कनाती मस्जिद, हयातनगर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध गलत ऑपरेशन करने के आरोप में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य, उपनिरीक्षक एवं चौकी प्रभारी शुजागंज अभिषेक सिंह, कांस्टेबल राजेन्द्र सिंह तथा कांस्टेबल रवि चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अयोध्या पुलिस ने बताया कि जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

देशभक्ति के माहौल में अडींग में गूंजे जयघोष, सेवानिवृत्त कैप्टन रणवीर सिंह का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। क्षेत्र के गांव अडींग में रविवार को भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होकर लौटे कैप्टन रणवीर सिंह (निवासी बसई) का ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और देशभक्ति के नारों के साथ जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह के दौरान पूरा माहौल राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। जानकारी के अनुसार रणवीर सिंह वर्ष 1998 में भारतीय सेना में सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे। वर्ष 1999 में उनकी पहली तैनाती कारगिल क्षेत्र में हुई, जहां उन्होंने देश सेवा का गौरवपूर्ण दायित्व निभाया। इसके बाद उन्होंने पठानकोट सहित सेना के विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं दीं। अपनी कर्तव्यनिष्ठा और मेहनत के बल पर वे सिपाही से पदोन्नति पाकर कैप्टन के पद तक पहुंचे और अब फिरोजपुर, पंजाब से सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए हैं। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने भारत माता के जयकारों और देशभक्ति गीतों के बीच उनका स्वागत किया। लोगों ने उनकी वर्षों की सैन्य सेवा और देश के प्रति समर्पण को सलाम करते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर कैप्टन रणवीर सिंह ने कहा कि देश सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा गौरव रहा है। सेना में रहते हुए जो जिम्मेदारी मिली, उसे पूरी निष्ठा से निभाया। ग्रामीणों का यह सम्मान और प्यार मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा। इस दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्वागत कार्यक्रम में यादराम कटारा, प्रेम पंडित, केदार पंडित, बिजेंद्र पहलवान, उमेंद्र कुमार शर्मा, किशन सैनी, सुंदरी पंडित, राजेश बंसल, दिलीप कौशिक सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

फाइल खर्च दो तभी मिलेगा कनेक्शन, जेई के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन का हल्ला बोल

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने माधोटांडा विद्युत उपकेंद्र के जेई पर मनमानी और उपभोक्ताओं का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए अधिशासी अभियंता, विद्युत खंड पूरनपुर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि कृषि मोटर कनेक्शन के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी होने और शुल्क जमा किए जाने के बावजूद तीन महीने से कनेक्शन जारी नहीं किया गया है।ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि संबंधित किसान ने विभाग में पूरी फाइल जमा कर दी थी, लेकिन अब तक उसे मोटर कनेक्शन नहीं मिला। आरोप है कि जब भी किसान जेई से संपर्क करता है तो उससे 'फाइल खर्च' देने की बात कही जाती है। वहीं बिजली आपूर्ति संबंधी जानकारी के लिए फोन करने पर भी जेई मोबाइल नहीं उठाते और न ही कोई संतोषजनक जवाब देते हैं। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों को नियमित बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है और उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।किसान यूनियन ने अधिशासी अभियंता से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर किसान का मोटर कनेक्शन शीघ्र जारी कराने तथा आरोपित जेई के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

दिवंगत पत्रकार के परिजनों को पत्रकारों ने दी आर्थिक सहायता

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। मथुरा जनपद के पत्रकारों ने सराहनीय पहल करते हुए दिवंगत पत्रकार के परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी। जिले के दो पत्रकार संगठनों उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन व वृंदावन प्रेस क्लब सहित कुल 68 पत्रकारों ने एकजुट होकर दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार अरूण 'अनु' के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी पत्नी को आर्थिक सहायता राशि के रूप में कुल 1,11,556.00 का डिमांड ड्राफ्ट सौंपा तथा उनके परिजनों को आश्वस्त किया कि भविष्य में जनपद के सभी पत्रकार उनके सुख दुख में हमेशा खड़े रहेंगे। इस अवसर पर दिवंगत पत्रकार अरुण अनु की धर्मपत्नी पुष्पा ठाकुर ने भावुक होते हुए समस्त पत्रकारों का आभार जताया और कहा कि जितना सहयोग मेरे परिजनों को मथुरा के पत्रकारों ने जो सहयोग प्रदान किया है उसके लिए सबको हमारे परिजनों की तरफ से धन्यवाद देती हूँ।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि यह सहयोग राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पत्रकार परिवार की एकजुटता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी पत्रकार समाज अपने साथियों के सुख-दुख में इसी प्रकार साथ खड़ा रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार अनु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और भरोसा दिलाया कि पत्रकार समाज हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा रहेगा। इस दौरान नरेंद्र भारद्वाज जिलाध्यक्ष उ प्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन, वरिष्ठ पत्रकार उमर कुरैशी, अजय शर्मा, परवेज अहमद, अनेक सिंह, संजय गौड़, रमेश चंद, आरती शर्मा, पिंटू, दिनेश भारती, गौरव शर्मा, सुमित गोस्वामी, मोहन मीणा, आर के धनगर, नीरज चतुर्वेदी, रिंकू शर्मा, रवनीत मैसी, राहुल कुमार, ब्रजेश सेन आदि शामिल रहे।

संरक्षित स्मारक बोर्ड से कुछ मीटर की दूरी पर कूड़े का ढेर, धरोहर की हो रही दुर्दशा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जमुनापार क्षेत्र में पुरातत्व महत्व की भूमि को बचाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा लगा ₹संरक्षित स्मारक₹ का बोर्ड तो मौजूद है, लेकिन यहां से महज कुछ मीटर की दूरी पर ही हिफाजत के नाम पर सिर्फ कूड़े का पहाड़ दिखाई दे रहा है। गांव गौसना में साफ देखा जा सकता है कि भरतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का नीले रंग का बोर्ड यह बताता है कि यह स्थान प्राचीन संस्मारक तथा पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम 1958 के तहत राष्ट्रीय महत्व का घोषित है। बोर्ड पर यह भी लिखा है कि इसे क्षति पहुंचाने या कुरूप करने पर 2 साल तक का कारावास या 1 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। लेकिन बोर्ड से कुछ ही दूरी पर हालात बिल्कुल उलट हैं। संरक्षित दीवार के साथ-साथ सड़क किनारे घरेलू कचरा, पॉलिथीन, कपड़े और गंदगी का ढेर लगा हुआ है। दीवार के ऊपर तक कचरा फैला है जिससे इस ऐतिहासिक स्थल का स्वरूप बिगड़ रहा है। लोगों में चर्चा है कि रोजाना यहां कूड़ा डाला जा रहा है। प्रशासन और पुरातत्व विभाग की लापरवाही के चलते धरोहर को नुकसान हो सकता है। शाहपुर-गौसना ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत में कूडे के लिए कोई स्थान न होने की वजह से यहाँ कूड़ा डाल दिया जाता है। इस सम्बंध में एसडीएम महावन से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी। लोगों ने मांग की है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और जिला प्रशासन तुरंत संज्ञान लेकर कूड़ा हटवाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे, ताकि राष्ट्रीय महत्व के इस स्मारक को बचाया जा सके।

जनता की उम्मीदों का समय आने वाला है, सपा विकल्प के रूप में तैयार: धनपति वर्मा

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पीलीभीत। समाजवादी अधिवक्ता सभा के 128 विधानसभा बरखेड़ा अध्यक्ष धनपति वर्मा एडवोकेट ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों और पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।धनपति वर्मा एडवोकेट ने आमडंडा, पट्टी दियोहना, हिम्मतपुर, पिपरैया, जयनगर, बलदेवपुर, उदरहा, बढ़ैपुर, कुसमा, नौऊनगला, लक्ष्मणपुर, रामनगर, जगतपुर, दियूरा, मधैया, आमडार, उमरा खान सिंह, लखखास सहित कई गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, रोजगार, किसानों से जुड़ी समस्याओं सहित विभिन्न जनसमस्याओं से उन्हें अवगत कराया।जनसंवाद के दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान और आम जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि आज महंगाई और बेरोजगारी से आम आदमी परेशान है। किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है, जबकि युवाओं के सामने रोजगार का संकट लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है और जनता की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके समाधान का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।धनपति वर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक ताकत होते हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम करे। उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाहती है और आने वाला समय समाजवादी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण होगा। इस दौरान डॉ. ऋषिपाल वर्मा, कामता प्रसाद, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, वीर प्रताप सिंह, सुरेश चंद्र, सेवाराम, जगदीश लोधी, शोभित, वेद प्रकाश दीक्षित, शंकर लाल, अरमान अली, अरविंद राजपूत, प्रशांत कुमार गंगवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

‘जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार’ अभियान में साढ़े छह लाख से अधिक लोगों की भागीदारी

चार जुलाई से शुरू दूसरे चरण में अब तक 198 शिविर आयोजित, 20,808 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेशभर में संचालित ‘जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार’ अभियान के दूसरे चरण में अब तक 1 लाख 34 हजार 740 से अधिक लोगों ने भागीदारी की है।इसके साथ ही अभियान के पहले और दूसरे चरण को मिलाकर कुल जनभागीदारी साढ़े छह लाख के पार पहुंच गई है। अभियान के तहत आम जनता की समस्याओं का मौके पर समाधान करने के साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। चार जुलाई से शुरू हुए इस विशेष अभियान के दौरान अब तक प्रदेशभर में 198 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। मानसून के बावजूद इन शिविरों में 1,34,740 लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्राप्त 23,219 जनशिकायतों में से 20,808 का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि 81,753 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।इन शिविरों में समाज कल्याण पेंशन, आयुष्मान कार्ड, चिकित्सा उपकरण, कृषि उपकरण सहित अन्य आवश्यक सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर आयोजित शिविरों में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में लोगों की शिकायतें सुनकर उनका समाधान कर रहे हैं। साथ ही पात्र लोगों के प्रमाणपत्र भी मौके पर बनाकर दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं उनके बीच पहुंचकर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करे। इसी सोच के तहत गत दिसंबर माह में 45 दिनों का पहला चरण आयोजित किया गया था, जिसमें 681 शिविर लगाए गए। इन शिविरों में 5,33,452 नागरिकों ने भाग लिया और करीब 33 हजार जनशिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया। इस पहल को सुशासन की एक प्रभावी और सफल कार्यप्रणाली के रूप में भी सराहा गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ‘जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार’ अभियान के माध्यम से प्रशासन स्वयं जनता के बीच पहुंचकर उनकी शिकायतों का शीघ्र समाधान कर रहा है। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

अच्छा स्वास्थ्य मनुष्य का सबसे बड़ा धन है, क्योंकि इसके बिना जीवन का कोई भी सुख और सफलता अधूरी है: डा. ए. कन्नौजिया

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। रविवार को विकास खंड सेमरियावां के दुधारा स्थित फैमिली फामेर्सी एंड क्लिनिक में दुर्गा मेडिकल सेंटर के तत्वाधान मे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने लगभग दो सौ मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया। सेमरियावां ब्लाक के फैमिली फामेर्सी एंड क्लिनिक दुधारा में दुर्गा मेडिकल सेंटर के तत्वाधान मे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दुर्गा मेडिकल सेंटर जिगिना के चिकित्सक डा. ए. कन्नौजिया ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य मनुष्य का सबसे बड़ा धन है, क्योंकि इसके बिना जीवन का कोई भी सुख और सफलता अधूरी है। यह शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह तंदुरुस्त रहने की स्थिति है। जैसा कि कहा गया है–ह्न्पहला सुख स्वस्थ शरीरह्न, स्वस्थ रहने से ही व्यक्ति अपने जीवन के हर पल का आनंद उठा सकता है और अपने सभी सपने पूरे कर सकता है। फैमिली फामेर्सी एंड क्लिनिक दुधारा के डीआरएक्स मोहम्मद फैजान ने कहा कि समय समय पर इस तरह का स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होते रहना चाहिए। हमें नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराते रहना चाहिए। स्वास्थ्य शिविर में डा. आर. कन्नौजिया, डा. निलोफर चौधरी, डा. अतिया सिराज, डा. साफिया सिराज की टीम ने लगभग दो सौ मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया।

कबड्डी खिलाड़ी हत्याकांड: फरार आरोपियों की तलाश में दबिश

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला-ककड़ीपुर मार्ग पर कबड्डी खिलाड़ी की गोली मारकर हत्या के मामले में फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देश पर तीन टीमों का गठन किया गया है, जिनमें एसओजी, सर्विलांस टीम और थाना पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।तीन दिन पूर्व बागपत जनपद के गांव ककड़ीपुर निवासी 22 वर्षीय मोनू उर्फ गुल्लू की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मामले के खुलासे में पुलिस ने हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग को कारण बताया था।पुलिस ने मृतक की प्रेमिका के पिता देशपाल और मुख्य आरोपी कार्तिक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूछताछ में हत्याकांड के मुख्य आरोपी कार्तिक ने बताया था कि मृतक उसकी चचेरी बहन से फोन पर बातचीत करता था, जिसका वह विरोध करता था। कई बार समझाने के बावजूद जब मृतक नहीं माना तो उसने सुनियोजित तरीके से हत्या की साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया।पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल गांव भारसी निवासी अर्जुन और सत्यम अभी भी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए गठित टीमों ने रविवार को कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन दोनों आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग सका। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है। पुलिस को जल्द ही दोनों आरोपियों को आला-कत्ल सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा जायगा।

थानाध्यक्ष दुधारा ने डायल-112/पीआरवी कर्मियों के साथ की बैठक, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। थाना दुधारा परिसर में थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने थाना क्षेत्र में संचालित डायल-112/पीआरवी वाहनों पर नियुक्त समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाना, जनता की शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना तथा पीआरवी कर्मियों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं तत्परता बनाए रखना था।

त्वरित रिस्पॉन्सः- कंट्रोल रूम से प्राप्त किसी भी सूचना पर पीआरवी वाहन बिना किसी विलंब के न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुँचे तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे।

उचित एवं न्यायसंगत कार्यवाहीः- घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति का गंभीरतापूर्वक आकलन करते हुए नियमानुसार निष्पक्ष एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाए।

जनसामान्य के प्रति संवेदनशील व्यवहारः- शिकायतकर्ता एवं आमजन के साथ विनम्र, सम्मानजनक, संवेदनशील एवं पेशेवर व्यवहार किया जाए, जिससे पुलिस के प्रति जनता का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

सतर्कता एवं मुस्तैदीः- ड्यूटी के दौरान सभी कर्मचारी पूर्ण सतर्कता के साथ निर्धारित वर्दी में रहें तथा वायरलेस सेट, टैबलेट एवं अन्य आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित रहें।

पारदर्शिता एवं समयबद्ध रिपोर्टिंगः- प्रत्येक घटना की सही एवं तथ्यपरक रिपोर्ट तैयार कर समय से उच्चाधिकारियों को प्रेषित की जाए तथा आवश्यक फीडबैक भी उपलब्ध कराया जाए।बैठक के दौरान थानाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की सुरक्षा एवं सहायता पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दायित्व के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक के समापन पर उपस्थित समस्त पीआरवी कर्मियों को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक, संवेदनशीलता एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ पालन करने की शपथ दिलाई गई।

पेड़ों से हरे-भरे तने और मोटी टहनियां काटकर की चोरी

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। कस्बे के बुढ़ाना रोड स्थित एक आम के बाग से आम और शीशम के हरे-भरे पेड़ों की मोटी टहनियां काटकर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्बे के रेल मंडी निवासी दीपक बालियान दिल्ली पुलिस में सिपाही के पद पर तैनात हैं,जिसका बुढ़ाना रोड पर आम का बाग है। बाग में आम और शीशम के कई हरे-भरे पेड़ लगे हुए हैं।

आरोप है कि क्षेत्र के दो व्यक्तियों ने बाग में घुसकर पेड़ों की मोटी-मोटी टहनियां काट लीं और उन्हें चोरी कर ले गए।रविवार सुबह बाग के ठेकेदार राशिद जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने पेड़ों की कटी हुई टहनियां देखकर घटना की जानकारी बाग मालिक को दी। सूचना मिलते ही दीपक मौके पर पहुंचा और नुकसान का जायजा लिया। इसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर दो आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

40 लाख की जमीन सौदे में धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार, 24 लाख रुपये लेकर नहीं कराया बैनामा

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई, जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में वांछित अभियुक्त दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। टीम में उपनिरीक्षक प्रभांशु कुमार राय, कांस्टेबल मुकेश यादव तथा कांस्टेबल अमितेश सिंह शामिल रहे।

पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 507/2026, धारा 338, 363(3), 340(2), 318(4), 319(2) एवं 61(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) से संबंधित वांछित अभियुक्त जितेन्द्र गिरी पुत्र पशुपति नाथ गिरी, निवासी ग्राम बाँसपार, थाना गीडा, जनपद गोरखपुर को दुर्गा मंदिर, मगहर के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार 11 जून 2026 को वादिनी श्रीमती गुड्डी गुप्ता ने कोतवाली खलीलाबाद में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आरोपियों ने भूमि बेचने के नाम पर 40 लाख रुपये में सौदा तय किया। इस दौरान उन्होंने अग्रिम के रूप में 24 लाख रुपये का भुगतान किया, जिसमें 16 लाख रुपये ऑनलाइन और 8 लाख रुपये नकद दिए गए। आरोप है कि धनराशि लेने के बाद भी आरोपियों ने जमीन का बैनामा नहीं कराया और विभिन्न बहाने बनाते हुए शेष रकम की मांग करते रहे। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि सौदे के दौरान कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी की गई। जब पीड़िता ने अपनी धनराशि वापस मांगी तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की और अब मुख्य वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है।

ई-रिक्शा चालक से मारपीट का आरोप, स्टेशन मास्टर समेत दो के खिलाफ तहरीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के रेलवे स्टेशन पर सवारी लेने पहुंचे एक ई-रिक्शा चालक के साथ कथित तौर पर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने स्टेशन मास्टर समेत दो लोगों पर ई-रिक्शा के तार काटने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग निवासी मोबिन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। रविवार को वह रेलवे स्टेशन पर सवारी लेने के लिए पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान स्टेशन मास्टर और उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने पहले उसके ई-रिक्शा के तार काट दिए, जिसके बाद उसके साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि मामले की तहरीर प्राप्त हो गई है। आरोपों की जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग को लेकर प्रस्तावित पदयात्रा से पहले पदाधिकारियों को हाउस अरेस्ट किए जाने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना (बुलंदशहर)। विश्व सनातन हिन्दू फाउंडेशन ने आरोप लगाया है कि जातीय आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था के विरोध और आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर 1 अगस्त 2026 को प्रस्तावित शांतिपूर्ण जन-जागरूकता पदयात्रा को प्रशासन ने आयोजित नहीं होने दिया। संगठन के अनुसार, पदयात्रा की लिखित सूचना 27 जुलाई को जिलाधिकारी, वरिष्ठपुलिस अधीक्षक, आईजी मेरठ, डीजीपी उत्तर प्रदेश, उपजिलाधिकारी स्याना और क्षेत्राधिकारी स्याना सहित संबंधित अधिकारियों को दे दी गई थी। संगठन का दावा है कि प्रशासन को यह भी लिखित आश्वासन दिया गया था कि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में आयोजित किया जाएगा। विश्व सनातन हिन्दू फाउंडेशन का आरोप है कि 31 जुलाई की रात करीब 9 बजे से संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश चौहान सहित पवनेश कुमार, सोनू कुमार, पुलकित शर्मा और सचिन शर्मा को उनके आवासों पर पुलिस ने रोक दिया, जिसके कारण वे निर्धारित पदयात्रा में शामिल नहीं हो सके। संगठन ने सवाल उठाया है कि जब प्रशासन को पहले से सूचना दी जा चुकी थी और शांति बनाए रखने का आश्वासन भी दिया गया था, तो पदयात्रा से पहले आयोजकों को घरों में रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ी। संगठन का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपनी मांग रखना प्रत्येक नागरिक और संगठन का अधिकार है। विश्व सनातन हिन्दू फाउंडेशन ने प्रशासन से इस कार्रवाई का कानूनी आधार सार्वजनिक करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही संगठन ने कहा कि वह आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग को भविष्य में भी संविधान और कानून के दायरे में रहकर लोकतांत्रिक तरीके से उठाता रहेगा।

बाइक और ई-रिक्शा की आमने-सामने भिड़ंत, महिला घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के बाईपास मार्ग पर नेशनल इंटर कॉलेज के समीप रविवार को बाइक और ई-रिक्शा की आमने-सामने की भिड़ंत में एक महिला घायल हो गई। हादसे के बाद ई-रिक्शा चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घायल महिला को निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।कैराना निवासी शहजाद अपनी भाभी फरजाना के साथ बाइक से कस्बे मे स्थित रिश्तेदारी में आया था। लौटते समय जब बाइक सवार नेशनल इंटर कॉलेज के पास बाईपास मार्ग पर पहुंचा , तभी सामने से आ रहे एक ई-रिक्शा से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई।हादसे में बाइक सवार महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गई।हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल महिला को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक मामले में किसी भी पक्ष की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई थी।

पुरानी रंजिश में स्कॉर्पियो से बाइक को मारी टक्कर

कांधला। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी एक महिला ने पुरानी रंजिश के चलते उसके पौत्र पर जानलेवा हमला कराने का आरोप लगाते हुए थाने मे तहरीर दी है। महिला ने चार नामजद समेत अन्य लोगों पर बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो से जानबूझकर बाइक में टक्कर मारने और साजिश के तहत घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। पुलिस से मामले में मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। रविवार को कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी श्यामों पत्नी सुभाष ने बताया कि उनके परिवार का जेठ शेरा कश्यप और उसके परिजनों से लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। आरोप है कि पूर्व में भी उनके पुत्रों और पौत्रों पर कई बार हमले किए जा चुके हैं, जिनकी शिकायत पुलिस से की गई थी।महिला का आरोप है कि विगत शनिवार की रात करीब 10:30 बजे उसका पौत्र बंटी अपने छोटे भाई सन्नी और मित्र सावन के साथ दिल्ली बस स्टैंड स्थित दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहा था।

गोकशी व पुलिस पर फायरिंग के आरोपी पिता-पुत्र पर रासुका

डेढ़ माह पहले सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस टीम पर बरसाई थीं गोलियां, तीनों पहले से जिला कारागार में निरुद्ध

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला खेल में गोकशों के सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग करने और गोकशी के मामले में गिरफ्तार आरोपी खलील कुरैशी तथा उसके दोनों पुत्र नदीम और नावेद के विरुद्ध पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम,रासुका के तहत कार्रवाई की है। तीनों आरोपी पहले से ही मुजफ्फरनगर जिला कारागार में निरुद्ध हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गतिविधियां लोक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा थीं, इसलिए उनके खिलाफ रासुका की कार्रवाई की गई है।करीब डेढ़ माह पूर्व पुलिस कस्बे के मोहल्ला खेल में गोकशों के सत्यापन और अवैध गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने खलील कुरैशी के घर पर दबिश दी। आरोप है कि पुलिस कार्रवाई से बौखलाए खलील ने टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें खलील कुरैशी गोली लगने से घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस का सिपाही सुमित भी गोली लगने से घायल हुआ, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घायल खलील को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके दोनों पुत्र नदीम और नावेद मौके से फरार हो गए।घटनास्थल की तलाशी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में गोवंश के अवशेष, गोकशी में प्रयुक्त धारदार हथियार, कटान के उपकरण तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की थी। बाद पुलिस ने नदीम और नावेद को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वर्तमान में तीनों आरोपी मुजफ्फरनगर जिला कारागार में बंद हैं। रविवार को थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि गोकशी, पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग तथा कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों के मद्देनजर जिला प्रशासन की संस्तुति पर खलील कुरैशी, उसके पुत्र नदीम और नावेद के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि जनपद में अपराध और असामाजिक गतिविधियों में लिप्त तत्वों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

दिव्यांग युवक और उसकी मां के साथ मारपीट, कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला खेल में एक अर्धविकसित युवक और उसकी मां के साथ पड़ोसी युवक द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। रविवार को कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी महिला फमीदा पत्नी गय्यूर ने बताया कि उसका पुत्र मानसिक रूप से अर्धविकसित एवं दिव्यांग है। रविवार को वह घर के बाहर बैठा हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने उसके ऊपर मिट्टी फेंक दी। उसके पुत्र द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब पीड़िता अपने पुत्र को बचाने पहुंचीं तो आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। आरोप है कि जाते समय आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी है।पीड़िता ने अपने दिव्यांग पुत्र के साथ थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मैं महिला को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

द ग्रेट कबाब फैक्टरी में 'उत्तर दक्षिण' फूड फेस्टिवल का आगाज

उत्तर और दक्षिण भारतीय स्वादों का अनूठा संगम, 31 जुलाई से 16 अगस्त तक चलेगा विशेष फूड फेस्टिवल, देशभर के पारंपरिक व्यंजनों का मिलेगा लाजवाब स्वाद

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारतीय व्यंजनों के पारंपरिक और आधुनिक स्वादों को एक साथ परोसने के लिए प्रसिद्ध द ग्रेट कबाब फैक्टरी (टीजीकेएफ) ने 31 जुलाई से 16 अगस्त 2026 तक विशेष फूड फेस्टिवल 'उत्तर दक्षिण' का शुभारंभ किया है। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य उत्तर भारत के पारंपरिक जायकों और दक्षिण भारत के मसालेदार एवं तटीय व्यंजनों को एक ही मंच पर प्रस्तुत कर भोजन प्रेमियों को भारतीय पाक कला की समृद्ध विरासत से रूबरू कराना है।

'उत्तर दक्षिण' फूड फेस्टिवल केवल एक भोजन उत्सव नहीं, बल्कि भारत की विविध खानपान संस्कृति, परंपराओं और क्षेत्रीय स्वादों का अनूठा संगम है। द ग्रेट कबाब फैक्टरी के अनुभवी शेफ द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए इस मेन्यू में देश के अलग-अलग हिस्सों के लोकप्रिय व्यंजनों को पारंपरिक शैली और आधुनिक प्रस्तुति के साथ परोसा जा रहा है।

शाकाहारी व्यंजनों में मिलेगा खास स्वाद

फूड फेस्टिवल के शाकाहारी मेन्यू में मथानिया मिर्च पनीर टिक्का, उरुलाई फ्राई, कटहल-मखाने की बादामी सीख, मलाई ब्रोकली, कुझी पनियारम विद मिलगाई पोडी, टीजीकेएफ पनीर 65, टेम्पर्ड करी लीफ हरी मिर्च आलू तथा लखनवी कटहल बिरयानी जैसे विशेष व्यंजन शामिल किए गए हैं। इन व्यंजनों में उत्तर और दक्षिण भारत की पारंपरिक पाक शैली का बेहतरीन संतुलन देखने को मिलेगा।

नॉन-वेज प्रेमियों के लिए भी खास इंतजाम

नॉन-वेज मेन्यू में भी स्वाद का शानदार मेल देखने को मिलेगा। इसमें मालाबारी स्पाइस्ड कल्मी कबाब, मीन वरुवल, खिजरा मुर्ग बोटी कबाब, अमृतसरी फिश विद गनपाउडर आयोली, आंध्र मसाला प्रॉन्स, मटन पुलुसु, डाक बंगला चिकन करी तथा हैदराबादी कच्चे गोश्त की बिरयानी जैसे लजीज व्यंजन शामिल किए गए हैं, जो उत्तर और दक्षिण भारत की प्रसिद्ध पाक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

खास मिठाइयों से होगा भोजन का मीठा समापन

फूड फेस्टिवल में मुख्य व्यंजनों के साथ विशेष डेजर्ट भी आकर्षण का केंद्र हैं। मेहमानों को केसर रबड़ी के साथ पाइनएप्पल जलेबी, कोकोनट एसेंस के साथ चुकंदर का हलवा, स्पाइसी चॉकलेट गनाश के साथ शाही टुकड़ा और मैसूर पाक ब्राउनी जैसी विशेष मिठाइयों का स्वाद भी चखने का अवसर मिलेगा।

द ग्रेट कबाब फैक्टरी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिदिन अलग-अलग मेन्यू तैयार किया जाता है। मेहमानों को सभी शाकाहारी एवं मांसाहारी व्यंजन अनलिमिटेड परोसे जाते हैं। विशेष कबाबों के साथ दाल फैक्टरी, बिरयानी, विभिन्न प्रकार की भारतीय रोटियां, मौसमी सब्जियां और स्वादिष्ट डेजर्ट भी भोजन का हिस्सा होते हैं, जिससे प्रत्येक भोजन एक यादगार अनुभव बन जाता है।

450 से अधिक कबाबों की रेसिपियों का अनूठा संग्रह

टीजीकेएफ के प्रतिष्ठित गलावटी कबाब, बर्रा कबाब और अन्य लोकप्रिय व्यंजन वर्षों के शोध एवं विकास का परिणाम हैं। संस्था के पास 450 से अधिक पारंपरिक और दुर्लभ कबाब रेसिपियों का संग्रह है, जिनमें कई ऐसी पारिवारिक रेसिपियां भी शामिल हैं जो पीढ़ियों से सुरक्षित चली आ रही हैं। सभी आउटलेट्स पर एक जैसा स्वाद और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए टीजीकेएफ के विशेष मसालों का उपयोग किया जाता है। 31 जुलाई से 16 अगस्त 2026 तक चुनिंदा आउटलेट्स पर आयोजित होने वाला 'उत्तर दक्षिण' फूड फेस्टिवल भारतीय व्यंजनों की विविधता और समृद्ध पाक विरासत का अनूठा उत्सव है। यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत के पारंपरिक स्वादों को एक साथ अनुभव करने का सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है, जहां हर व्यंजन भारतीय संस्कृति और स्वाद की अलग पहचान को बखूबी प्रस्तुत करता है।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान ने कस्तूरबा विद्यालय और महिला थाने का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान ने रविवार को जनपद भ्रमण के दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय (ग्रामीण डायट परिसर) और महिला थाना बुलंदशहर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इस अवसर पर डॉ. चौहान ने छात्राओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें खेल प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने महिला थाना बुलंदशहर का निरीक्षण किया, जहां थाने की व्यवस्थाएं भी संतोषजनक मिलीं। उन्होंने महिला सुरक्षा और शिकायतों के त्वरित निस्तारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जनपद भ्रमण के अंतिम चरण में डॉ. बबीता चौहान साठा पहुंचीं, जहां उन्होंने हाल ही में नाले में डूबने से जान गंवाने वाली बालिका चारू के परिजनों से मुलाकात कर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया।

युवक का शव मिलने से इलाके में फैली सनसनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। औरंगाबाद थाना क्षेत्र के इस्माइला गांव के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही औरंगाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मनीष कुमार पुत्र कैलाश सिंह, निवासी ग्राम कनौना, थाना खानपुर के रूप में हुई है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बरसात में सुरक्षा: खुले नालों को ढकने और बैरिकेटिंग का अभियान हुआ शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बरसात के मौसम में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पंचायत प्रशासन ने कस्बे में खुले नालों को ढकने और संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेटिंग कराने का विशेष अभियान शुरू किया है। रविवार को अधिशासी अधिकारी अरविंद मिश्रा के निर्देश पर विभिन्न स्थानों पर खुले नालों पर पत्थर की पटिया रखवाई गई, जबकि जहां तत्काल ढक्कन लगाना संभव नहीं था, वहां बांस की बैरिकेटिंग कर सुरक्षा व्यवस्था की गई। रविवार को नगर पंचायत चेयरमैन हाजी सलीम और अधिशासी अधिकारी अरविंद मिश्रा ने मोहल्ला आजाद रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खुले नालों को प्राथमिकता के आधार पर पत्थर की पटिया रखवाकर बंद कराया गया तथा शेष स्थानों पर सुरक्षा के लिए बैरिकेटिंग कराई गई। अधिशासी अधिकारी अरविंद मिश्रा ने बताया कि हाल ही में बुलंदशहर में बरसात के दौरान हुए हादसे को गंभीरता से लेते हुए यह अभियान शुरू किया गया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बरसात के दौरान विशेष सतर्कता बरतें, बच्चों को अकेले बाहर न भेजें और यदि कहीं खुला नाला दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल नगर पंचायत कार्यालय को दें।

नगर पंचायत प्रशासन के अनुसार अधिकांश खुले नालों को ढक दिया गया है और शेष स्थानों पर भी जल्द ही कार्य पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही, आजाद रोड पर खुले नाले के आसपास सुरक्षा के मद्देनजर बांस की बैरिकेटिंग भी कराई गई है।

महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान से सचिन चौहान की शिष्टाचार भेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान के बुलंदशहर आगमन पर समाजसेवी सचिन चौहान ने उनसे शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों एवं क्षेत्र की जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सचिन चौहान ने महिला आयोग की अध्यक्ष का स्वागत करते हुए महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके अधिकारों से जुड़े विषयों के साथ-साथ क्षेत्र की अन्य महत्वपूर्ण समस्याओं की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने इन विषयों पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता पर भी जोर दिया। महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई एवं हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

फजीवड़े का आरोप लगाकर जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत, जांच की मांग

शिकारपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम सरावा स्थित किसान इंटर कॉलेज में कथित फजीवाड़े को लेकर एक व्यक्ति ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि एक चपरासी लंबे समय से विद्यालय में उपस्थित नहीं हो रहा है, इसके बावजूद उसकी उपस्थिति दर्ज की गई और बाद में रजिस्टर में छेड़छाड़ का प्रयास किया गया। शिकायतकर्ता भीम गिरि पुत्र ओमप्रकाश गिरि निवासी बल्देवगढ़ ने आरोप लगाया कि मामले की जांच के दौरान स्कूल से संबंधित वॉइस रिकॉर्डिंग और लिखित स्टांप पेपर सहित कुछ साक्ष्य सामने आए, लेकिन जांच में इन पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत में संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकारपुर: छात्राओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। शिकारपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं जीजीआईसी शिकारपुर में मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुस्मित स्नेहा एवं रूबी ने छात्राओं को मासिक धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान छात्राओं को मासिक धर्म से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों, व्यक्तिगत स्वच्छता, सैनिटरी पैड के सुरक्षित उपयोग एवं उचित निस्तारण, संतुलित आहार, एनीमिया की रोकथाम तथा मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने छात्राओं की शंकाओं का समाधान करते हुए मासिक धर्म को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार करने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के साथ-साथ उनके अभिभावकों से भी संवाद स्थापित किया गया, ताकि मासिक धर्म से जुड़े सामाजिक संकोच और गलत धारणाओं को दूर किया जा सके। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शिकारपुर द्वारा आयोजित इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य किशोरियों में मासिक धर्म स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें सही जानकारी उपलब्ध कराना तथा स्वस्थ, सुरक्षित और आत्मविश्वासपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। इस मौके पर छात्राओं के साथ साथ दोनों विद्यालयों का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जहांगीरपुर क्षेत्र में दिनदहाड़े लाखों की चोरी, ईख के खेत में मिला खाली बक्सा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीरपुर। थाना जेवर जहांगीरपुर चौकी क्षेत्र में शनिवार दोपहर दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जट्टारी मार्ग स्थित चीनी मिल के निकट एक मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया और लाखों रुपये के जेवरात व नकदी चोरी कर फरार हो गए।पीड़ित सतवीर सिंह पुत्र गंगाराम के अनुसार, घटना करीब दोपहर 2:00 बजे की है। उस समय परिवार की महिला बच्चों को स्कूल से लेने गई हुई थीं। इसी दौरान अज्ञात चोर घर में घुसे और कमरे में रखा बक्सा उठाकर ले गए। बक्से में तीन सोने की अंगूठियां, एक जोड़ी झाले, गले की कंठी, एक मंगलसूत्र तथा लगभग 40,000 रुपये की नकदी रखी हुई थी। चोरी के बाद चोर बक्से को पास के ईख के खेत में फेंककर फरार हो गए। खेत में बक्सा मिलने पर घटना की जानकारी हुई।घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। चोरी की इस वारदात से परिवार को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है और परिवार सदमे में है। समाचार लिखे जाने तक पीड़ित पक्ष की ओर से चौकी जहांगीरपुर में कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

किसान के नलकूप से विद्युत मोटर के तार चोरी, पीड़ित ने दी तहरीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला सालिकपुर में खेत पर लगे कुएं से विद्युत मोटर के तार चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, शिकारपुर नगर के मौहल्ला मौथरपुरा निवासी ब्रिजेश कुमार शर्मा पुत्र नानक चंद शर्मा की गांव नगला सालिकपुर में लगभग 20 बीघा कृषि भूमि है। खेत में सिंचाई के लिए लगे कुएं पर विद्युत मोटर स्थापित थी। आरोप है कि 2 अगस्त की रात अज्ञात चोर मोटर के तार काटकर चोरी कर ले गए। रविवार सुबह खेत पर पहुंचने पर मोटर के तार गायब मिले, जिसके बाद चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित का कहना है कि घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई और कोतवाली में लिखित तहरीर भी सौंपी गई। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक न तो मुकदमा दर्ज किया गया। ब्रिजेश कुमार शर्मा ने पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए, चोरी हुए विद्युत मोटर के तार बरामद किए जाएं तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं, इस मामले में पुलिस की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब यह देखना होगा कि पुलिस चोरी की इस घटना का खुलासा कब तक कर पाती है।

साइबर ठगी के 8 मामलों में पुलिस ने लौटाए 1.34 लाख, पीड़ितों के खातों में वापस कराई रकम

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। थाना सिकन्द्राबाद पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए जुलाई माह के दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी के 8 मामलों का सफल निस्तारण किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई और बैंक अधिकारियों के समन्वय से कुल ₹1,34,514 की धनराशि पीड़ितों के बैंक खातों में वापस कराई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध नरेश कुमार के पर्यवेक्षण में थाना सिकन्द्राबाद पुलिस ने प्राप्त शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लिया। साइबर सेल और संबंधित बैंक अधिकारियों के सहयोग से धोखाधड़ी की रकम को होल्ड/फ्रीज कराकर पीड़ितों के खातों में वापस कराया गया। इस कार्रवाई के बाद शिकायतकताओं ने थाना सिकन्द्राबाद पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए टीम की सराहना की।

हीरे के बंटवारे को लेकर विवाद, मामला कोतवाली तक पहुंचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव सरावा में खेत में मजदूरी के दौरान कथित रूप से मिले एक हीरे के बंटवारे को लेकर विवाद सामने आया है। विवाद बढ़ने के बाद मामला कोतवाली तक पहुंचने की चर्चा है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जानकारी के अनुसार, गांव के एक किसान के खेत में कुछ महिलाएं मजदूरी कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें कथित रूप से एक हीरा मिलने की बात सामने आई। इसके बाद हीरे के बंटवारे को लेकर तीन महिलाओं (काल्पनिक नामझ सम्मो, संगीता और शहनाज) के बीच विवाद शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि एक पक्ष का दावा है कि कथित हीरे की कीमत करोड़ों रुपये है। एक महिला के पति के अनुसार, जब हीरा मिला था तब उसकी अनुमानित कीमत करीब आठ करोड़ रुपये बताई गई थी। आरोप है कि बंटवारे के दौरान असली हीरे की जगह किसी अन्य स्थानीय पत्थर या कम मूल्य के हीरे को दिखाकर हेराफेरी की गई। फिलहाल हीरे की वास्तविकता, उसकी कीमत और बंटवारे को लेकर लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले की चर्चा पुलिस तक पहुंची है, लेकिन पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कथित रूप से मिला पत्थर वास्तव में हीरा है या नहीं तथा लगाए जा रहे आरोपों में कितनी सच्चाई है।

अहमदगढ़ में दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, कार चालक पर मुकदमा दर्ज

अहमदगढ़। बुलंदशहर अहमदगढ़ थाना क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत के मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को करण कुमार (26 वर्ष) और उसका दोस्त बंटी पुत्र स्व. धर्मवीर सिंह, निवासी ग्राम पापड़ी, मोटरसाइकिल से अहमदगढ़ से गंगावास की ओर जा रहे थे। इसी दौरान डिबाई-बुलंदशहर रोड स्थित त्रिलोक होटल के निकट एक तेज रफ्तार कार (यूपी 13सी यू-7399) ने कथित रूप से लापरवाही से गलत दिशा में आकर उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय दोनों की मौत हो गई। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर अहमदगढ़ थाने में कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया

मोदी कॉलेज में पाँच दिवसीय तृतीय सोपान जांच शिविर का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, उत्तर प्रदेश, जिला संस्था गाजियाबाद द्वारा आयोजित पांच दिवसीय तृतीय सोपान जाँच शिविर का शुभारंभ उत्साह एवं प्रेरणा के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में बच्चों को स्काउटिंग के सिद्धांत, अनुशासन, सेवा, नेतृत्व तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जिला सचिव एवं शिविर संयोजक सतीश चंद अग्रवाल प्रधानाचार्य, डॉ. के.एन. मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर ने बच्चों को पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण लेने, नई-नई बातें सीखने तथा अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रेरित किया। यह पाँच दिवसीय तृतीय सोपान जाँच शिविर 1 अगस्त से 5 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रतिभागी विभिन्न परीक्षाओं, प्रशिक्षण सत्रों और व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से अपने स्काउट-गाइड कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस शिविर में मोदीनगर तहसील के लगभग 15 विद्यालयों के 250 स्काउट एंड गाइड प्रतिभाग कर रहे हैं। जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्याम सिंह, जिला संगठन आयुक्त गाइड रिंकू चौधरी, राजदेव सिंह श्रीमती उमा बिश्नोई, दिनेश कुमार जगदीश प्रसाद ने स्काउट एंड गाइड को विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस पांच दिवसीय शिविर में स्काउट एंड गाइड को विभिन्न प्रकार की गांठे बांधना प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी, टेंट निर्माण, तंबू निर्माण, मीनार निर्माण, विभिन्न प्रकार की ताल बजाना आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एम एम कॉलेज के कार्यालय अधीक्षक के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय के कार्यालय अधीक्षक सतपाल बाबू के सेवानिवृत्त होने पर भव्य भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सतपाल बाबू के विदाई समारोह में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गैरशैक्षणिक कर्मचारियों आदि ने मिलकर उनका विदाई समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर वंदना शर्मा ने उनकी सादगी, मेहनत, से पूर्ण की गई सेवाओं की सराहना करते हुए आगामी भविष्य के लिए स्वास्थ्य और दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि विदाई कार्यक्रम संयुक्त रूप से पहली बार किया गया है। यह परम्परा सतत रूप से जारी रहनी चाहिए। उनके रिक्त पद पर श्रीमति नीतू गुप्ता को कार्यालय अधीक्षक बनाया गया है। उनको भी सभी लोगों ने बधाई दी। सुनील बाबू भी कार्यालय सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रो जे पी यादव, प्रो एस के राणा, प्रो ए पी सिंह, डॉ पूनम चौधरी, डॉ प्राची अग्रवाल, डॉ अमर सिंह कश्यप, डॉ शिवांगी त्रिवेदी, सुनील, सौरभ, सुमित, आदि उपस्थित रहे।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, मोदीनगर में 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत 2026' अभियान के अंतर्गत कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. नूतन सिंह के संरक्षण में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर से मोदी मंदिर तक आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता रैली से हुआ। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए समाज को नशा मुक्त भारत का संदेश दिया। रैली के उपरांत सभी छात्राओं एवं उपस्थित जनों ने नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की। इसके पश्चात छात्राओं को 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत 2026' अभियान के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायक संवाद दिखाया गया। जिसमें उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. नूतन सिंह, प्राध्यापिकाएँ डॉ. ऋषिका पाण्डेय, डॉ. आकांक्षा सारस्वत, सुश्री मंजू कन्नौजिया, सुश्री ऐश्वर्या बहुगुणा एवं सुश्री शालू देवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में एनएसएस एवं एनसीसी की छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का समापन नशा मुक्त समाज के निर्माण एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु जन-जागरूकता फैलाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

अजय सैन भाकियू (भानु) के अधिवक्ता प्रकोष्ठ (पउप्र) के बने प्रदेश सचिव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के संगठन विस्तार के तहत जिला गाजियाबाद से मोदीनगर निवासी एडवोकेट अजय सैन को प्रदेश सचिव (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) अधिवक्ता प्रकोष्ठ के पद पर मनोनीत किया गया। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह के सानिध्य द्वारा प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर योगेश प्रताप सिंह, की संस्तुति पर भाकियू (भानु) राष्ट्रीय संगठन मंत्री चिकित्सा प्रकोष्ठ (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) डॉ अरुण सैन ने मनोनयन पत्र सौंपते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी।

जिसमें जुहेब अहमद को मंडल अध्यक्ष मेरठ (चिकित्सा प्रकोष्ठ) के पद पर मनोनीत किया गया। इस मौके पर राजीव अधाना अध्यक्ष (पश्चिमी उत्तर प्रदेश), गौरव त्यागी(प्रदेश महासचिव, पुनीत त्यागी जिला अध्यक्ष मेरठ के द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आप नव मनोनीत पदाधिकारी जाति धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर संगठन की नीतियों एवं सिद्धांतों के अनुरूप पूरी निष्ठा और ईमानदारी से संगठन दायित्व का निर्वहन करेंगे।

नव मनोनीत पदाधिकारी एडवोकेट अजय सैन व जुहैब अहमद ने अन्य साथियों के साथ मिलकर भाकियू (भानु) राष्ट्रीय संगठन मंत्री चिकित्सा प्रकोष्ठ पश्चिमी उत्तर प्रदेश डॉ अरुण सैन को शॉल ओढ़ाकर पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ अरुण सैन ने कहा कि आप सभी संगठन के नव मनोनीत पदाधिकारी अपने पद की गरिमा को बनाए रखते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए किसानों, गरीबों, मजदूरों के अधिकारों की आवाज उठाने व संगठन की जनहितकारी नीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। नव मनोनीत एडवोकेट अजय सैन, प्रदेश सचिव (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) अधिवक्ता प्रकोष्ठ ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी मुझको सौंपी गई हैं उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करूंगा।

इस मौके पर भाकियू (भानु) राष्ट्रीय संगठन मंत्री चिकित्सा प्रकोष्ठ पश्चिमी उत्तर प्रदेश डॉ अरुण सैन, पश्चिम प्रदेश महासचिव यासीन खान, जिला सचिव चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ आस मोहम्मद, जुहैब अहमद जिलाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ मेरठ,, एडवोकेट अजय सैन को प्रदेश सचिव (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) अधिवक्ता प्रकोष्ठ, आशीष सैन, विकास ठाकुर आदि अनेकों भाकियू (भानु) सदस्यगण उपस्थित रहे।

गिन्नी देवी मोदी पीजी गर्ल्स कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी पीजी गर्ल्स कॉलेज मोदीनगर के तत्वाधान में शासन के आदेश से हिंदी विभाग के द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर नूतन सिंह के कुशल नेतृत्व तथा हिंदी विभाग की प्रवक्ता डॉक्टर गीता त्यागी के कुशल निर्देशन में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसका शीर्षक कैंसर का निदान स्वस्थ भारत का निर्माण था। जिसमें गृह विज्ञान एमएससी विभाग की अध्यक्षा डॉक्टर मीनू अग्रवाल ने सर्वाइवल कैंसर के बारे में छात्र को विस्तृत जानकारी देकर जागृत किया महाविद्यालय की छात्रा भावना में भी विषय पर अपने विचारों को अभिव्यक्त किया।

अंत में प्राचार्य ने इस विषय पर छात्राओं को विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक और प्रोत्साहित किया मंच का संचालन डॉक्टर गीता त्यागी हिंदी विभाग की प्रवक्ता ने किया।

इस कार्यक्रम में लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभागिता की और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

वेदों की गूंज से गुंजायमान हुआ नया आर्य नगर, हर्षोल्लास से संपन्न हुआ वेद प्रचार सप्ताह

आचार्य योगेंद्र याज्ञिक बोले- राष्ट्र निर्माण और समाज संस्कार का सशक्त माध्यम है आर्य समाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मेरठ रोड स्थित आर्य समाज नया आर्य नगर में आयोजित वेद प्रचार सप्ताह रविवार को वैदिक महायज्ञ, भजन एवं प्रेरक प्रवचनों के साथ श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में संपन्न हो गया। वेद मनीषी आचार्य योगेंद्र याज्ञिक के ब्रह्मत्व में ऋग्वेदीय महायज्ञ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रशांत आर्य-शीतल आर्या, मोहित आर्य-कोमल आर्या, विजयपाल आर्य-रेखा आर्या, यशवीर आर्य एवं सपना आर्या मुख्य यजमान रहे। बिजनौर से आए पंडित नरेश दत्त ने वैदिक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने संबोधन में आचार्य योगेंद्र याज्ञिक ने कहा कि आर्य समाज राष्ट्रहित के साथ समाज को संस्कारित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि यदि मानव वेदों के प्रेम, सद्भाव, सहयोग और शुद्ध आचरण के संदेश को अपनाए, तो विश्व में शांति और भाईचारा स्थापित हो सकता है। उन्होंने स्वामी दयानंद के कथन 'जहां वेद नहीं, वहां वेदना होगी' का उल्लेख करते हुए वैदिक विचारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। वैदिक विद्वान कृष्णमुनि ने वेद विद्या के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। जिला आर्य सभा के प्रधान विजयपाल कसाना ने कहा कि जो लोग अपने पूर्वजों की परंपराओं और संस्कारों को आगे बढ़ाते हैं, उनका जीवन सुखी और समृद्ध रहता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्यवीर चौधरी ने की। जिला आर्य सभा के संरक्षक श्रद्धानंद शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा संचालन नरेंद्र कुमार पांचाल ने किया। इस अवसर पर महानगर की विभिन्न आर्य समाजों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गुरुकुल पटेल नगर के ब्रह्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पप्पू यादव के बयान पर लोनी में उबाल, भाजपाइयों ने फूंका पुतला, लोनी बस स्टैंड पर लगाए जोरदार नारे

गाजियाबाद। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की ओर से संसद में भगवा चोला पहनकर सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में रविवार को लोनी में भाजपा कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोनी के नंबर-2 बस स्टैंड पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए सांसद के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद की टिप्पणी को सनातन धर्म और हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बताते हुए उनसे माफी मांगने की मांग की। भाजपा युवा मोर्चा संगम विहार मंडल के मंडल मंत्री सौरभ शर्मा ने कहा कि पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की टिप्पणी सनातन धर्म के प्रति अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म करोड़ों लोगों की आस्था और श्रद्धा से जुड़ा है और इसके संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सांसद को अपनी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। रविवार को बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता लोनी के नंबर-2 बस स्टैंड पर एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने सांसद पप्पू यादव के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं में काफी आक्रोश नजर आया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सांसद का पुतला फूंककर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जनप्रतिनिधियों को किसी भी धर्म और समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

डिजिटल पुलिसिंग की नई उड़ान: गाजियाबाद कमिश्नरेट के अफसरों को मिला हाईटेक प्रशिक्षण

NATGRID, CCTNS, E-Summon समेत आधुनिक ऑनलाइन प्रणालियों के प्रभावी संचालन पर दिया गया व्यवहारिक प्रशिक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में पुलिसिंग को अधिक स्मार्ट, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में रविवार को पुलिस लाइंस स्थित परमजीत सभागार में एक दिवसीय डिजिटल प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पुलिस आयुक्त के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में सभी सर्किलों के सहायक पुलिस आयुक्त, विभिन्न जोनों एवं कार्यालयों के वाचक तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में NATGRID, CCTNS, Citizen Service Portal, CM Dashboard, SSO Portal, E-Sakshay, E-Summon, IGRS, IIF Forms, गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1), मिशन शक्ति केंद्र और यक्ष एप सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के संचालन की विस्तृत जानकारी और व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

साथ ही 60-90 दिवस के भीतर विवेचना निस्तारण, समयबद्ध डेटा अपडेट तथा नागरिक सेवाओं के त्वरित निष्पादन पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण के समापन पर अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) पीयूष कुमार सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी डिजिटल प्रणालियों का प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करते हुए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस कर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ स्मार्ट एवं उत्तरदायी पुलिसिंग को सशक्त बनाने और अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

GH-7 सोसायटी में बुजुर्गों के लिए बना 'सुकून का ठिकाना', दो हाईटेक गजेबो का शुभारंभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित ऋष्ट-7 सोसायटी में वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए दो अत्याधुनिक गजेबो का लोकार्पण किया गया। सोसायटी की एओए द्वारा सेंट्रल पार्क के निकट पुरुष एवं महिला वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग-अलग गजेबो तैयार कराए गए हैं। गजेबो में मजबूत आयरन स्ट्रक्चर, टिन शेड, सीलिंग फैन, एलईडी लाइट, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट तथा सुरक्षित आवागमन के लिए आकर्षक टाइल्स जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को हर मौसम में आरामदायक बैठने और आपसी मेलजोल का बेहतर स्थान उपलब्ध कराना है।

सोसायटी अध्यक्ष डॉ. रोहित चौधरी ने बताया कि लंबे समय से पार्क में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए एओए ने यह पहल की है, जिससे बुजुर्ग सुबह-शाम सैर के बाद आरामदायक वातावरण में समय व्यतीत कर सकें। एओए सदस्य सुमित श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान एओए सोसायटी की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाए गए ये गजेबो भी इसी सोच का परिणाम हैं।

उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ पुरुष एवं महिला नागरिकों ने अपने-अपने गजेबो का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित लोगों के लिए चाय, नाश्ता और मिष्ठान की व्यवस्था की गई। समारोह में एओए के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में सोसायटी के निवासियों ने भाग लिया तथा इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने वाला कदम बताया।

कांवड़ मार्ग पर शुद्ध भोजन का पहरा, 14 टीमें मैदान में; नॉनवेज दुकानों पर एक माह की बंदी

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार से गाजियाबाद होते हुए गुजरने वाले शिवभक्तों को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने कमर कस ली है। कांवडिों की बढ़ती संख्या और यात्रा मार्ग पर खाद्य प्रतिष्ठानों की सक्रियता को देखते हुए विभाग ने विशेष निगरानी अभियान शुरू कर दिया है। कांवड़ मार्ग पर संचालित मीट-मांस परोसने वाली दुकानों को सावन के पूरे महीने बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए जिले में 14 विशेष टीमें तैनात की गई हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें कांवड़ मार्ग पर लगातार भ्रमण कर होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रही हैं। खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, साफ-सफाई और निर्धारित मानकों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। इसके साथ ही प्रतिष्ठानों पर लगाए जा रहे क्यूआर कोड की भी जांच की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी शिवभक्त को भोजन से संबंधित कोई शिकायत होने पर वह सीधे विभाग तक अपनी शिकायत पहुंचा सके। हरिद्वार से बड़ी संख्या में कांवड़िए गाजियाबाद के रास्ते दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों की ओर जाते हैं। ऐसे में जिला प्रशासन की ओर से कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा और सुविधा से जुड़ी तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाद्य प्रतिष्ठानों पर विशेष निगरानी बढ़ाई है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय ने बताया कि सावन के पूरे महीने कांवड़ मार्ग पर पड़े वाली नॉनवेज फूड की दुकानों को पूरी तरह बंद करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि शहर में भी नॉनवेज फूड की दुकानों को महाशिवरात्रि तक बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था शिवभक्तों की धार्मिक आस्था और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है। कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मार्ग से गुजरते हैं, ऐसे में उनकी धार्मिक भावनाओं और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित आदेशों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सावन के पहले सोमवार पर शिवभक्तों का 'सुरक्षा कवच', चप्पे-चप्पे पर निगम की नजर

129 आईटीएमएस कैमरों के साथ 205 अतिरिक्त कैमरों से होगी कांवड़ यात्रा की निगरानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन के पहले सोमवार पर शहर में उमड़ने वाले शिवभक्तों और कांवड़ियों की सुविधा व सुरक्षा को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कांवड़ यात्रा को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए निगम के निर्माण विभाग ने करीब 20 किलोमीटर लंबे निर्धारित कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग का काम पूरा कर लिया है। मुख्य मार्ग के साथ उससे जुड़ी गलियों, नालों और संवेदनशील स्थानों पर भी विशेष रूप से बैरिकेडिंग की गई है। वहीं प्राचीन श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के बाहर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए अलग से सुरक्षा व्यवस्था की गई है। नगर निगम ने कांवड़ मार्ग की निगरानी के लिए तकनीक का भी सहारा लिया है। कांवड़ रूट पर पहले से मौजूद इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के 129 कैमरों के अलावा निगम ने 205 अतिरिक्त कैमरे लगाए हैं। इन कैमरों को मेरठ रोड स्थित कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट किया गया है। इसके जरिए कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग की गतिविधियों, भीड़ और यातायात व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाएगी। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक कांवड़ मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था को भी बेहतर किया गया है। नगर आयुक्त के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। निगम का दावा है कि सावन के पहले सोमवार और आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी प्रमुख व्यवस्थाएं तैयार हैं।

नगर निगम के निर्माण विभाग ने कांवड़ मार्ग पर दिन-रात काम करते हुए निर्धारित रूट पर बैरिकेडिंग पूरी कर ली है। मुख्य कांवड़ मार्ग से जुड़ने वाली गलियों के बाहर भी बांस और बल्लियों से बैरिकेडिंग की गई है, ताकि यात्रा के दौरान कांवड़ियों के मार्ग में अनावश्यक आवागमन न हो और भीड़ का दबाव नियंत्रित रखा जा सके। सुरक्षा की दृष्टि से कांवड़ मार्ग पर आने वाले नालों के बाहर भी विशेष बैरिकेडिंग की गई है। इससे श्रद्धालुओं को नालों और खुले स्थानों के आसपास किसी तरह का खतरा न रहे।

सावन के पहले सोमवार पर दूधेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए मंदिर के बाहर भी विशेष बैरिकेडिंग कराई गई है। श्रद्धालुओं को धूप से राहत देने के लिए जस्सीपुरा मोड़ से दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर तक बैरिकेडिंग के ऊपर ग्रीन नेट और शेड की व्यवस्था की गई है। इससे लंबी कतार में लगने वाले श्रद्धालुओं को कुछ राहत मिल सकेगी।

कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नगर निगम ने निगरानी तंत्र को भी विस्तार दिया है। नगर निगम सीमा में कांवड़ रूट पर ड्रोन से 129 कैमरे पहले से निगरानी कर रहे हैं।

इनके अलावा 205 नए कैमरों को कांवड़ मार्ग पर लगाया गया है। सभी कैमरों को मेरठ रोड स्थित कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट किया गया है। इस तरह कुल 334 कैमरों के माध्यम से कांवड़ मार्ग की निगरानी की जाएगी। भीड़ बढ़ने, यातायात दबाव, किसी स्थान पर अव्यवस्था या किसी अन्य आपात स्थिति की जानकारी कंट्रोल रूम के माध्यम से तत्काल संबंधित टीमों तक पहुंचाई जा सकेगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार यात्रा के दौरान कंट्रोल रूम से लगातार मॉनीटरिंग की जाएगी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए नगर निगम ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। प्रकाश, जलकल, उद्यान, स्वास्थ्य और निर्माण विभाग की टीमें लगातार व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए निगम पूरी तरह मुस्तैद है।

प्लास्टिक मुक्त गाजियाबाद की ओर रोटरी का कदम, स्ट्रीट वेंडर्स को बांटे छाते और कपड़े के थैले

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद आइडियल की पहल, सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ शुरू किया जागरूकता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पर्यावरण संरक्षण और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद आइडियल ने एक विशेष जन-जागरूकता अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को रोटरी ब्रांडेड छाते और आम नागरिकों को पुनः उपयोग में लाए जा सकने वाले कपड़े के थैले वितरित किए जाएंगे।

अभियान का उद्देश्य केवल सामग्री का वितरण करना नहीं, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और प्लास्टिक के स्थान पर टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। इस अभियान के माध्यम से क्लब ने लोगों को संदेश दिया है, प्लास्टिक को कहो 'नो', कपड़े के थैले को कहो 'यस'।

क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि धूप और बारिश में काम करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स के लिए रोटरी के विशेष छाते काफी उपयोगी साबित होंगे। वहीं, कपड़े के थैलों के वितरण से बाजारों और घरों में सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपनी दैनिक दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव अपनाए, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़े परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। खरीदारी के लिए कपड़े के थैलों का उपयोग न केवल प्लास्टिक कचरे को कम करेगा, बल्कि स्वच्छ और हरित वातावरण बनाने में भी सहायक होगा। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद आइडियल की अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. स्वाति अग्रवाल, सचिव रोटेरियन अंशु कंसल, कोषाध्यक्ष रोटेरियन डॉ. प्रतिभा रस्तोगी तथा क्लब लर्निंग फैसिलिटेटर रोटेरियन स्वाति जैन ने शहरवासियों से अपील की कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचें और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

क्लब पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल गाजियाबाद को स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

पंडित ओम दत्त कौशिक एडवोकेट बने अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राजनगर-संजयनगर अध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजीकृत) के तत्वावधान में लोहियानगर स्थित अग्रसेन भवन कार्यालय में संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आगामी 28वें ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन की तैयारियों और कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पंडित जे. के. गौड़ ने की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पंडित जयनंद शर्मा, महामंत्री पंडित आदेश शर्मा, महानगर अध्यक्ष पंडित सुभाष चंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष पंडित सुभाष शर्मा, उपाध्यक्ष अमित भारद्वाज तथा कार्यकारिणी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिला और महानगर इकाई के पदाधिकारियों ने समाज के प्रति उनकी सक्रियता और समर्पण को देखते हुए पंडित ओम दत्त कौशिक एडवोकेट को राजनगर-संजयनगर क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किया। उनकी नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर पंडित ओम दत्त कौशिक ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। बैठक में ब्राह्मण समाज के उत्थान, युवाओं के मार्गदर्शन तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

संगठन के पदाधिकारियों ने आगामी परिचय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया।

गुरु हरिकृष्ण साहिब के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा श्री नानक दरबार में सजा बाला प्रीतम कीर्तन दरबार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर सेक्टर-10 स्थित गुरुद्वारा श्री नानक दरबार में गुरु हरिकृष्ण साहिब जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर बाला प्रीतम कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में संगत ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया।

कीर्तन दरबार में हजूरी रागी भाई महीपाल सिंह, भाई गुरविंदर सिंह सूरी और भाई जगजीत सिंह बबीहा ने गुरुबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को आध्यात्मिक रस से सराबोर कर दिया। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु के मार्गदर्शन के बिना जीवन अधूरा है और जिस व्यक्ति को गुरु का सान्निध्य प्राप्त हो जाता है, उसका जीवन सफल हो जाता है।

गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के प्रधान एस.एस. पुरी ने कहा कि गुरु हरिकृष्ण साहिब सिखों के आठवें गुरु थे। वे गुरु हर राय साहिब और माता किशन कौर के पुत्र थे। वर्ष 1661 में मात्र पांच वर्ष की आयु में उन्होंने गुरु गद्दी संभाली थी। कम आयु में ही समाज को सेवा, करुणा और मानवता का संदेश देने के कारण उन्हें बाला प्रीतम के नाम से भी जाना जाता है।

गुरुद्वारे के सचिव सुरेंद्रजीत सिंह ने बताया कि दिल्ली में चेचक और हैजा जैसी महामारियों के फैलने पर गुरु हरिकृष्ण साहिब ने निस्वार्थ भाव से पीड़ितों की सेवा की थी। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों की सहायता की और स्वयं भी बीमारी की चपेट में आ गए। वर्ष 1664 में वे ज्योति-जोत समा गए, लेकिन मानव सेवा और करुणा का उनका संदेश आज भी लोगों को प्रेरित कर रहा है।

गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के चेयरमैन परमजीत सिंह सलूजा ने कहा कि गुरु हरिकृष्ण साहिब द्वारा दिखाया गया सेवा और परोपकार का मार्ग आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने संगत से गुरु के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंजीत सिंह सेठी, गुलशन अनेजा, गुरमीत सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कोचिंग पढ़ने जा रही छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास

गाजियाबाद। थाना मसूरी के तहत कोचिंग में पढ़ने जा रही एक 17 वर्षीय छात्रा के साथ बहला-फुसलाकर दुष्कर्म का प्रयास करने, अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देने का गम्भीर मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मसूरी क्षेत्र के एक गांव निवासी छात्रा के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री मसूरी स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती है। आरोप है कि नाहल का रहने वाला साकिब और उसके साथी सल्लू पुत्र शमीम व समीर पुत्र अता हुसैन, निवासी जाकिर कॉलोनी धौलाना हापुड़, काफी समय से लड़की पर गलत नजर रखते थे। आते-जाते समय उसका पीछा व छेड़खानी करते थे। 21 जुलाई को जब छात्रा रोजाना की तरह कोचिंग के लिए निकली, तो मसूरी एनएच नौ स्थित बिजली घर के पास साकिब, सल्लू और समीर ने उसे बहला-फुसलाकर मसूरी जेएमएस इंस्टीट्यूट के पास वर्धा एन्क्लेव में एक खाली मकान में ले गए, जहां उन्होंने छात्रा के साथ गलत काम (दुष्कर्म) करने का प्रयास किया।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल गजप्रस्थ की ओर से आधार, आयुष्मान और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय व्यापार मंडल गजप्रस्थ की ओर से डाक विभाग एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सहयोग से ग्राम इनायतपुर स्थित जय शिव इंटर कॉलेज में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित इस शिविर में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, नेत्र परीक्षण और दंत परीक्षण जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

शिविर में 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इसके साथ ही श्रेया आई सेंटर द्वारा आंखों की निःशुल्क जांच और क्लो डेंटल की ओर से दांतों की जांच की व्यवस्था की गई। वहीं, 18 वर्ष तक के बच्चों के नए आधार कार्ड बनाए गए तथा सभी आयु वर्ग के लोगों के आधार कार्ड में आवश्यक संशोधन भी किए गए।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल गजप्रस्थ की इस पहल को क्षेत्र के लोगों ने सराहा। संगठन की ओर से समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार के जनहितकारी शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार का शिविर जय शिव इंटर कॉलेज के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद प्रदीप चौधरी, जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता, मनोज प्रमुख, समीर शर्मा, संजय शर्मा और पंडित अशोक भारतीय उपस्थित रहे। जय शिव इंटर कॉलेज के प्रबंधक शिवदत्त अधाना, रतिराम, जय सिंह मुकद्दम, गजराज, प्रेम नागर और प्रधानाचार्या ऋतु शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय व्यापार मंडल गजप्रस्थ के जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता, उपाध्यक्ष समीर शर्मा, विधायक प्रतिनिधि ओमवीर वाल, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रिया आर्य और मनोज गुर्जर प्रमुख ने संयुक्त रूप से किया। शिविर के संचालन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित अशोक भारतीय ने संभाली।

आयोजकों के अनुसार, शिविर के दौरान 200 से अधिक लोगों ने नए आधार कार्ड बनवाने अथवा उनमें संशोधन कराने की सुविधा का लाभ उठाया।

इसके अलावा 20 से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जबकि 500 से अधिक लोगों ने नेत्र एवं दंत परीक्षण का लाभ प्राप्त किया। राष्ट्रीय व्यापार मंडल गजप्रस्थ और जय शिव इंटर कॉलेज की इस पहल को क्षेत्र के लोगों ने जनसेवा की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

इंदिरापुरम में देह व्यापार का भंडाफोड़, दंपती समेत चार गिरफ्तार

सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस की कार्रवाई, 8,800 नकद और दो मोबाइल फोन बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के न्यायखंड-3 स्थित एक फ्लैट में संचालित किए जा रहे कथित अनैतिक देह व्यापार के अड्डे का पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए तीन पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन और 8,800 नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 1/2 अगस्त की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि न्यायखंड-3 के फ्लैट नंबर 648-ए में गरीब एवं भोली-भाली महिलाओं को बहला-फुसलाकर कथित देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम के नेतृत्व में थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान आरिफ, सगुन गुप्ता उर्फ राजन, अजय गुप्ता तथा अजय गुप्ता की पत्नी अमिता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से दो मोबाइल फोन और 8,800 नकद भी बरामद किए।

पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

अंबेडकर पार्क में हाई वोल्टेज ड्रामा: रवि गौतम और पुलिस आमने-सामने, भारी पुलिस बल तैनात

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजय नगर स्थित अंबेडकर पार्क में रविवार को उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब रवि गौतम और गाजियाबाद पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया और अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मोर्चा संभाल लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस अधिकारियों और रवि गौतम के बीच काफी देर तक बातचीत चली। इस दौरान रवि गौतम ने कहा कि अंबेडकर पार्क एक सार्वजनिक स्थल है, किसी की निजी संपत्ति नहीं, इसलिए उन्हें वहां बैठने से रोका नहीं जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके कई समर्थकों को पुलिस ने हिरासत में लिया और उनके साथ सख्ती की गई। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई कर रही है। वहीं, पुलिस अधिकारियों ने रवि गौतम से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। पुलिस का कहना रहा कि उनका उद्देश्य केवल क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना है। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच बहस होती रही, हालांकि पुलिस ने स्थिति को शांतिपूर्ण ढंग से संभालने का प्रयास जारी रखा। फिलहाल अंबेडकर पार्क में पर्याप्त पुलिस बल तैनात है और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।